RNI-MPHIN/2018/75526
वर्ष-08 | अंक-258 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-
दैनिक
कालप्रिया
सच वही जो दिखे...
भोपाल, सोमवार
22
जून 2026
Email.kalpriyanews72@gmail.com
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-8, विक्रम संवत् 2083

योग लोगों, देशों और संस्कृतियों को जोड़ता है, योग दिवस कार्यक्रम में बोले-पीएम मोदी

70 की उम्र में 50 जैसा दिखें, योग इसमें मददगार

कोलकाता। पीएम मोदी रविवार को कोलकाता में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह शामिल हुए। उन्होंने कहा- हमारा लक्ष्य 40 साल की उम्र में 20 साल की उम्र से ज्यादा लचीले होना, 50 साल की उम्र में 30 से ज्यादा ऊर्जावान और 70 की उम्र में 50 साल से ज्यादा स्वस्थ रहना होना चाहिए।पीएम ने कहा कि योग दुनिया का सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव बन चुका है, जो लोगों, देशों और संस्कृतियों को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि 21 जून, जो पृथ्वी का सबसे लंबा दिन माना जाता है, अब पूरी दुनिया में योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। पीएम के साथ कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर हजारों लोगों ने योग किया। पीएम ने ताड़ासन, अर्धचक्रासन, भद्रासन, त्रिकोणासन सहित 5 आसन किए। कॉमन प्रोटोकॉल योग सत्र के दौरान पीएम लोगों के बीच पहुंचे और उनकी योग मुद्राओं को सुधारने में मदद करते नजर आए।

योग पर्सनल लाइफस्टाइल नहीं, बल्कि जरूरत बन गया है

पीएम मोदी ने कहा- आधुनिक समय में जीवन के असतुंलन से जूझ रहे हैं। उन्हें मशक्कत करनी पड़ रही है। योग में बैलेंस जीवन जीने की कला सिखाता है। जब हम हमारे शरीर को सही तरीके से चलाना सीख लेते हैं तो स्वास्थ्य हमारा स्वाभव बन जाता है। योग केवल सिर्फ शरीर के स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य का मार्ग भी दिखाता है। हमें क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए, इसका बोध योग करवाता है।योग आज के सिर्फ हमारी पर्सनल लाइफस्टाइल के लिए जरूरी है, इतना ही नहीं है, बल्कि ये एक जरूरत भी है। योग दिवस के मौके पर करोड़ों लोग योग से जुड़ते हैं, आइए हम संकल्प ले योग को सिर्फ एक दिन या कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखेंगे।

योग केवल शारीरिक श्रम का साधन नहीं है

पीएम ने कहा- योग दिवस के मौके पर बंगाल में होना बहुत खास है। बंगाल की पवित्र भूमि, जहां विवेकानंद जैसे लोग ने योग से दुनिया को परिचित किया। लहिरि महाशय जैसे महान योगियों ने परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आज उसी धरती पर सामूहिक योग का अनुभव अलग आध्यात्मिक अनुभव दे रहा है। योग जब स्वभाव में आता है तो मानवीय एकता का आधार पर बन जाता है।

मध्यप्रदेश में नीट री-एग्जाम

30 सेकंड लेट, छूटी परीक्षा गेट पर गिड़गिड़ाते रहे छात्र-परिजन

भोपाल। मेडिकल कोर्स में प्रवेश के लिए देश की सबसे बड़ी परीक्षा NEET-UG री-एग्जाम 2026 को लेकर मध्यप्रदेश में सुरक्षा और व्यवस्थाओं के कड़े इंतजाम किए गए। भोपाल के 32 केंद्रों सहित प्रदेशभर में परीक्षा की जा रही है। जहां एक तरफ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखा। वहीं, दूसरी तरफ कड़े नियमों और समय की पाबंदी के कारण कई केंद्रों पर भारी अफरा-तफरी और भावुक कर देने वाले नजारे देखने को मिले। एनटीए की गाइड लाइन के अनुसार, दोपहर 01:30 बजे परीक्षा केंद्रों के गेट पूरी तरह बंद कर दिए गए।

गिड़गिड़ाते रहे परिजन

भोपाल के सरोजिनी सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय और पीएमश्री सेंट्रल स्कूल समेत कई केंद्रों पर कुछ छात्र महज 30 से 40 सेकंड की देरी से पहुंचे, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। तीन छात्र गेट के बाहर खड़े होकर अधिकारियों से लगातार मिन्नतें करते रहे, पर नियम आड़े आ गए।

तमिलनाडु की सीफडू फैक्ट्री में गैस रिसाव, 7 की मौत

65 से ज्यादा घायल, 9 वेंटिलेटर पर; मरने वालों में सभी महिलाएं

चैन्नई। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में रविवार को एक सीफूड निर्यात इकाई में अमोनिया गैस रिसाव की घटना सामने आई है। यह रिसाव पेरियापालयम के पास कन्निगाइपैर स्थितसेंट पीटर्स पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स फैक्ट्री में हुआ। जिसमें सात महिलाओं की मौत हो गई और 67 श्रमिक बीमार हैं। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं और राहत एवं बचाव कार्य जारी है। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही अरक्कोनम स्थित राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की चौथी बटालियन को अलर्ट किया गया।

67 श्रमिक बेहोश, नौ गंभीर चेन्नई रेफर

तिरुवल्लूर जिले की कलेक्टर एस. कविता ने बताया कि 46 मरीजों का इलाज वेल्स हॉस्पिटल में और 21 का इलाज वेंकटेश्वर हॉस्पिटल में चल रहा है। सबसे गंभीर रूप से बीमार नौ मरीजों को एम्बुलेंस के जरिए चेन्नई के सरकारी स्टेनली मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल भेजा गया है।

योगमय हुआ मध्यप्रदेश, 5000 साधकों ने किया योगाभ्यास

विश्व कल्याण का आधार है योग:मुख्यमंत्री

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि हम भारत की उस महान योग परंपरा का उत्सव मना रहे हैं, जिसने मानवता के लिये स्वस्थ, संतुलित और सार्थक जीवन का मार्ग प्रदान किया है। योग विश्व को हमारी सांस्कृतिक धरोहर का एक अनमोल उपहार है। यह हमारे ऋषियों-मुनियों की हजारों वर्षों की साधना का परिणाम है। आज भारतभूमि से स्वास्थ्य, संतुलन, शांति और आत्मकल्याण का संदेश विश्व में प्रसारित किया जा रहा है। योग स्वस्थ आयु के लिए थीम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम कोलकाता में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। प्रदेश में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में जबलपुर के गैरीसन ग्राउंड में राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी के कोलकाता से आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा व सुना। कार्यक्रम की शुरूआत व अंत में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान किया गया।

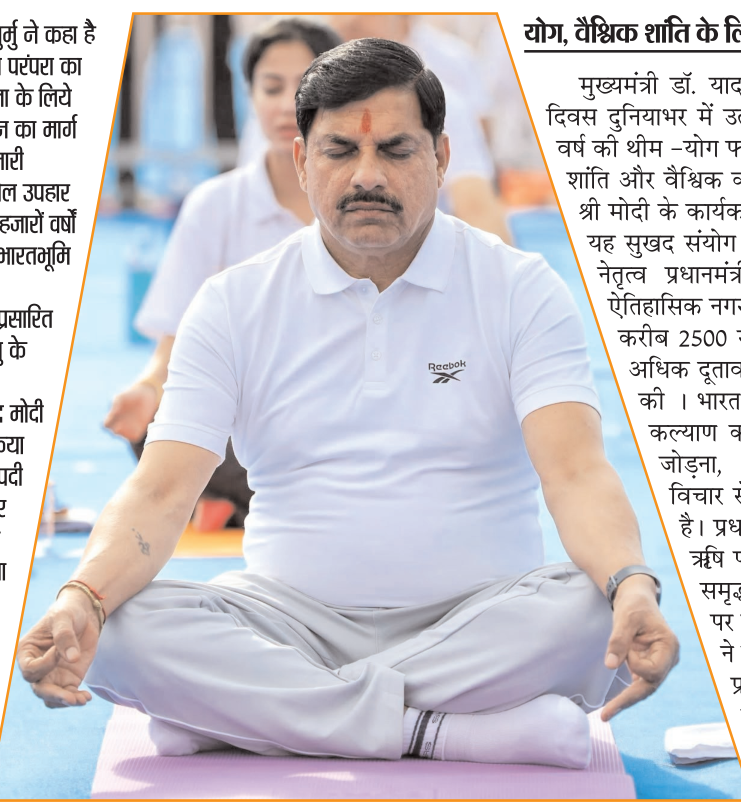

योग, वैश्विक शांति के लिए एकमात्र उपाय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दुनियाभर में उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम -योग फॉर हेल्दी एजिंग है। योग दिवस वैश्विक शांति और वैश्विक कल्याण को बढ़ावा देता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने पर यह सुखद संयोग बना है, इस वर्ष राष्ट्रीय कार्यक्रम का नेतृत्व प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा सांस्कृतिक और ऐतिहासिक नगरी कोलकाता से किया गया। दुनिया के करीब 2500 स्थानों पर योगाभ्यास किया , 210 से अधिक दूतावासों ने भी सामूहिक योग में भागीदारी की । भारत ने योग के रूप में दुनिया को मानव कल्याण का उपहार सौंपा है। योग का अर्थ है जोड़ना, भारत ने अपने ज्ञान- विवेक और विचार से सदैव सभी को एक-दूसरे से जोड़ा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा, हमारी आध्यात्मिक चेतना और समृद्ध सनातन संस्कृति का वैश्विक पटल पर परिचय कराया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जब वर्ष 2015 में विश्व योग दिवस का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सभा में रखा तो 175 से ज्यादा देशों ने इसका ऐतिहासिक समर्थन किया था।

मध्यप्रदेश है योगियों की तपोस्थली

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश योगियों की तपोस्थली रही है। भगवान श्रीकृष्ण को मध्यप्रदेश की धरती पर योग का ज्ञान प्राप्त हुआ। मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संपन्नता गौरवशाली इतिहास का अभिन्न हिस्सा रही है। योगेश्वर श्रीकृष्ण ने उज्जैन स्थित सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण की,यहां उन्होंने 64 कला और 14 विद्याओं का गहन अध्ययन किया, इनमें योग विज्ञान सबसे प्रमुख था। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दुनिया के 200 से अधिक देशों में योगाभ्यास हो रहा है। भारत एक बार फिर दुनिया को अपनी समृद्ध संस्कृति से परिचित करा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के साथ-साथ सूर्य देव की कक्षा परिवर्तन का दिन भी है। आज से सूर्य देव उत्तरायण से दक्षिणायण की ओर यात्रा प्रारंभ करते है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु तथा राज्यपाल श्री पटेल को मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर स्मृति-चिन्ह भेंट किया।

राम मंदिर चोरी प्रकरण

चढ़ावे में चोरी के मिले साक्ष्य, गोपाल राव-अनिल की भूमिका संदिग्ध

लखनऊ, एजेंसी

अयोध्या में चढ़ावे में गबन की जांच करने वाले एसआईटी को सीसीटीवी फुटेज से कुछ अहम सुराग मिले हैं। इसमें कुछ संदिग्ध रकम चोरी करते हुए नजर आ रहे हैं। इस मामले को उजागर करने में ये फुटेज बेहद अहम साबित हो सकते हैं। इसके अलावा, एसआईटी को राम मंदिर ट्रस्ट के कुछ पदाधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध मिली है। वह नए सिरे से ट्रस्ट का गठन करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की तर्ज पर एक कार्यपालक अधिकारी को नियुक्त करने की सिफारिश कर सकती है। श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में गबन के सबूत मिले हैं। इसमें गणना और बैंक कर्मियों के साथ टिन्नू यादव की भूमिका सामने आई है। इन पर जल्द एफआईआर दर्ज हो सकती है। विशेष जांच दल की प्रारंभिक जांच में ट्रस्ट के पदाधिकारी अनिल मिश्रा के अलावा निर्माण सहायक गोपाल राव की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है।

एसआईटी कर रही जांच

चढ़ावा प्रकरण की जांच कर रही एसआईटी इन पदाधिकारियों से पूछताछ कर चुकी है। चर्चाओं को उस समय और बल मिला जब शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या दौरे पर पहुंचे। राम मंदिर में दर्शन-पूजन के दौरान मुख्यमंत्री और चंपत राय के बीच सार्वजनिक रूप से कोई विशेष संवाद या संयुक्त उपस्थिति देखने को नहीं मिली।

नेवी को मिले 3 स्वदेशी युद्धपोत

आईएनएस दूनागिरी ब्रह्मोस से लैस, रडार नहीं पकड़ पाएगा; आईएनएस संशोधक लगातार 12000 किमी तक चल सकता है

कोलकाता। तीन स्वदेशी वॉरशिप्स आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और एंटी-सबमरीन आईएनएस अग्रय रविवार को भारतीय नौसेना में शामिल हुए। इन्हें देश में ही डिजाइन और बनाया गया है। आईएनएस संशोधक एक बार में लगातार 12 हजार किलोमीटर तक जा सकता है। आईएनएस दूनागिरी 8 ब्रह्मोस मिसाइल्स से लैस है। वहीं, आईएनएस अग्रय भारतीय तटरेखा के पास मौजूद दुश्मन पनडुब्बियों को नष्ट कर सकता है। इस दौरान कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह नए भारत की सबसे बड़ी ताकत है। आज भारत रक्षा क्षेत्र में केवल खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता। हमारी सैन्य शक्ति दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती। हमारी शक्ति की पहचान विश्व का बाजार बनने में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता में है।

भारतीय नौसेना में 140 से 145 वॉरशिप्स

इस समय लगभग 140 से 145 सक्रिय वॉरशिप्स हैं। नौसेना का मुख्य लक्ष्य साल 2030 तक अपने जहाजों की कुल संख्या को 150 से 160 तक पहुंचाना है। भारत अपने इन युद्धपोतों को मुख्य रूप से तीन नौसैनिक कमांड्स और एक रणनीतिक द्वीप कमान में तैनात करता है। विशाखापट्टनम (पूर्वी कमान) के जहाज बंगाल की खाड़ी और मलक्का में चीन की घेराबंदी करते हैं।

ब्रह्मोस जैसी मिसाइलों से लैस

आईएनएस दूनागिरी प्रोजेक्ट-17ए का 5वां स्टील्थ फ्रिगेट वॉरशिप है। इसे नेवी के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। प्रोडक्शन कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड ने किया है। जहाज के कमांडिंग ऑफिसर (डिजाइनेट) कैप्टन दिव्य आलोक ने कहा कि दूनागिरी ईस्ट नेवल कमान और ईस्टर्न फ्लीट का हिस्सा बनेगा।

समुद्र का नक्शा और सर्वे करेगा

आईएनएस संशोधक सर्वे वेसल (लार्ज) सीरीज का चौथा जहाज है। इसे तट और गहरे समुद्र में हाइड्रोग्राफिक सर्वे, समुद्री डेटा कलेक्शन और डिफेंस-सिविल यूज के लिए बनाया गया है।

प्रतिभा सम्मान — भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने किया खेल जगत की दिग्गज हस्तियों को सम्मानित

पीटी उषा सहित 4 को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की ओर से आयोजित पहले इंडियन एथलेटिक्स अवॉर्ड्स समारोह में भारतीय खेल जगत की चार दिग्गज हस्तियों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

सम्मान पाने वालों में महान धाविका और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा, पूर्व एशियाई खेल स्वर्ण पदक विजेता गुरबचन सिंह रंधावा, पूर्व राष्ट्रीय मुख्य कोच बहादुर सिंह चौहान और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता अंजू बॉबी जॉर्ज शामिल हैं। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद पीटी उषा ने कहा कि उन्हें इस सम्मान की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, मैंने इस पुरस्कार के लिए आवेदन नहीं किया था। भारत में अक्सर बिना आवेदन किए पुरस्कार मिलना मुश्किल होता है। एएफआई की यह पहल बेहद सराहनीय है। एएफआई ने भारतीय एथलेटिक्स के विकास में योगदान देने वाले खिलाड़ियों, कोचों, तकनीकी अधिकारियों, मेंटर्स, राज्य संघों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से इस पुरस्कार समारोह की शुरुआत की है। पहले संस्करण में कुल 10 श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए, जिनमें सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ कोच, सर्वश्रेष्ठ तकनीकी अधिकारी, सर्वश्रेष्ठ राज्य संघ और लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रमुख रहे।

नीरज को भी मिला सम्मान

भारतीय एथलेटिक्स के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के पहले इंडियन एथलेटिक्स अवॉर्ड्स 2025 में बेस्ट मेल एथलीट ऑफ द ईयर सम्मान से नवाजा गया। समारोह शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता नीरज ने पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा कि यह सम्मान उनके दिल के बेहद करीब है, क्योंकि उन्हें यह पुरस्कार एथलेटिक्स की पुरानी और नई पीढ़ी के खिलाड़ियों की मौजूदगी में मिला है। नीरज शुक्रवार को हुई दोहा डायमंड लीग प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहे थे।

वैभव सूर्यवंशी की 50 ओवर क्रिकेट में फास्टेस्ट फिफ्टी

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने 50 ओवर की क्रिकेट में सबसे तेज हाफ सेंचुरी बनाने का 20 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वैभव ने श्रीलंका-ए के खिलाफ अभी चल रहे ट्राई सीरीज के फाइनल में 29 बॉल पर 94 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 11 गेंदों पर हाफ सेंचुरी पूरी कर ली। वैभव की इस पारी की बदौलत इंडिया-ए ने श्रीलंका-ए के खिलाफ फाइनल मुकाबले में 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 377 रन बनाए। कप्तान तिलक वर्मा ने 67, प्रियांश आर्या ने 39 और कुमार कुशाग्र ने 36 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 30 ओवर के बाद 6 विकेट के नुकसान पर 205 रन बनाए हैं। वनुजा सहन क्रीज पर हैं। सदीरा समरविक्रमा 52 रन बनाकर आउट हुए।

सतना की अनुष्का को मिला अहमदाबाद में इंटर्नशिप का मौका

■ योग शिक्षक बनकर स्टूडेंट्स को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना लक्ष्य

नगर संवाददाता, सतना।

शहर की एकेएस युनिवर्सिटी से योग विषय में एमए की पढ़ाई कर रहीं 23 वर्षीय योग स्टूडेंट अनुष्का त्रिवेदी ने बताया कि बचपन से ही योग के प्रति उनका आकर्षण था। स्कूल के समय विद्यालय में जब खेल -खेल में योग के कुछ स्टेप सिखाए जाते थे तो उन्हें वह बहुत ही मन लगाकर करती थीं। धीरे-धीरे योग के प्रति उनका रुझान कब बढ़ गया पता ही नहीं चला। कॉलेज के शुरूआती दिनों में मोबाइल पर देखकर योग का अभ्यास करते-करते बीए पूरा होने के बाद उन्होंने योग विषय से ही एमए करने का मन बना लिया। पढ़ाई पूरी करने के बाद ज्ञानेश योगा स्टूडियो (योगा इंस्टीट्यूट) अहमदाबाद से योग के लिए इंटर्नशिप किया है। अनुष्का कहती हैं कि सही मायने में योग के द्वारा हम अपनी आंतरिक शक्तियों को पहचान सकते हैं और जीवन को एक नए दृष्टिकोण से देख सकते हैं। यह हमें संतुलन और आत्मविश्वास का अहसास कराता है, जिससे हम अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

अनुष्का शहर के समीप सोहावल की रहने वाली हैं। उनके पिता कृपा शंकर त्रिवेदी पेशे से पत्रकार हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से घर में रहकर योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कर रहीं हैं। उनके इस अभ्यास का ही परिणाम है कि उन्हें दो वर्ष पहले उड़ीसा में आयोजित ऑल इंडिया युनिवर्सिटी योग कम्पटीशन में प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। इस दौरान उनके द्वारा किए गए योग प्रदर्शन को भी काफी सराहना मिली। इसके साथ ही अनुष्का ने बैंगलोर में आयोजित विक्रमादित्य आल इंडिया इन्टर यूनिवर्सिटी में भी योग कम्पटीशन में हिस्सा लेकर अपना जौहर दिखाया है। उनका उद्देश्य योग शिक्षक बनकर स्टूडेंट्स को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी देते हुए अनुष्का ने बताया कि सोहावल के एक प्रायवेट विद्यालय में उन्होंने बायोलाजी विषय से 12 वीं उत्तीर्ण करने के बाद शहर के रामाकृष्णा कालेज से बीए की पढ़ाई पूरी की। योग के प्रति रुचि व लगन के चलते उन्होंने एकेएस युनिवर्सिटी में योग विषय से ही एमए करने का निर्णय लिया। पहले सत्र से ही युनिवर्सिटी के योग शिक्षकों द्वारा दिए गए टास्क को पूरा करने में वह सफल रहीं। यही वजह थी कि उन्हें उड़ीसा के आल इंडिया कम्पटीशन में भी हिस्सा लेने के लिए भेजा गया।

अनुष्का का कहना है कि आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में मानसिक शांति और शारीरिक स्वास्थ्य की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस होती है। यह हमें संतुलन और आत्मविश्वास का अहसास कराता है, जिससे हम अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं। योग के माध्यम से हम न सिर्फ अपने शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य में भी सुधार लाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारत हिन्दू महासभा के जिलाध्यक्ष बनाए गए अभिषेक मिश्रा

सतना। अखिल भारत हिन्दू महासभा द्वारा संगठन विस्तार एवं जनसंपर्क अधिकारी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रीवा संभाग एवं सतना जिले में नई नियुक्तियां की गई हैं। संगठन द्वारा के. एस. मधुसूदनन को रीवा संभाग का संभागीय उपाध्यक्ष, राजकुमार गौतम को संभागीय प्रचार मंत्री तथा मुरारी लाल त्रिपाठी को रीवा संभाग का प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। वहीं, सतना जिले में अभिषेक मिश्रा को जिला अध्यक्ष, सुनील सिंह पासी को जिला उपाध्यक्ष तथा अजय सिंह पासी को जिला उपाध्यक्ष अनिल प्रताप सिंह युवा महासभा जिला अध्यक्ष सतना का दायित्व सौंपा गया है। संगठन नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र कुमार द्विवेदी, राष्ट्रीय प्रचारक दीपेंद्र सिंह परिहार प्रदेश अध्यक्ष रोहित दुबे, प्रदेश उपाध्यक्ष उमेश कुशवाहा प्रदेश महामंत्री विनोद जोशी, प्रदेश संगठन मंत्री लालजी शर्मा तथा प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट धर्मेंद्र पांडेय संभागीय अध्यक्ष लवकुश पांडेय ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

धान की सीधी बुवाई को दें बढ़ावा

सतना। जिले में धान की खेती को अधिक लाभकारी और संसाधन-सक्षम बनाने के उद्देश्य से किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) पद्धति अपनाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभाग के अनुसार यह विधि न केवल पानी और श्रम की बचत करती है, बल्कि समय पर बुवाई होने से उत्पादन में भी वृद्धि होती है।

[दौरा] निर्माण व संरक्षा संबंधी कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

सतना-रीवा-सीधी रेलखंड का महाप्रबंधक ने किया निरीक्षण

नगर संवाददाता, सतना।

पश्चिम मध्य रेलवे में नई रेल लाइन, दोहरीकरण एवं तिहरीकरण जैसी महत्वपूर्ण अधोसंरचना परियोजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने शनिवार 20 जून को सतना-रीवा-सीधी रेलखंड का निरीक्षण कर निर्माण एवं संरक्षा संबंधी कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) एम.एस. हाश्मी, मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) राहुल जयपुरियार, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (कोचिंग), अनुराग पाण्डेय सहित निर्माण, संरक्षा एवं अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सतना-रीवा रेलखंड का रियर विंडो निरीक्षण

महाप्रबंधक ने सतना-रीवा रेलखंड का रियर विंडो निरीक्षण करते हुए रेल पथ, सिग्नलिंग प्रणाली, पुलों, समपार फाटकों, ओएचई तथा अन्य संरक्षा व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने रेलखंड पर चल रहे अनुरक्षण एवं अधोसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को संरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रेलवे स्टेशन में लिया सुविधाओं का जायजा

महाप्रबंधक श्री सिंह ने रीवा रेलवे स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज एवं स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने माल गोदाम, वाशिंग पिटलाइन, कोच अनुरक्षण सुविधाओं, प्लेटफार्म कवर शेड, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' स्टॉल तथा निर्माणाधीन फुट ओवर ब्रिज का अवलोकन किया। उन्होंने स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में चल रहे अधोसंरचना एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए यात्रियों हेतु उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

तकनीकी व संरक्षा संबंधी पहलुओं की समीक्षा

इसके उपरांत महाप्रबंधक ने निर्माणाधीन सीधी रेलवे स्टेशन एवं निर्माणाधीन सोन ब्रिज का व्यापक निरिक्षण किया। इस दौरान संबंधित ट्रैक कार्यों का विस्तृत परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ब्रिज लेआउट ड्राइंग, गर्डर, स्पान संरचना, ब्रिज बेयरिंग, प्लेट, चैनल स्लीपर तथा चेयर प्लेट सहित विभिन्न तकनीकी एवं संरक्षा संबंधी पहलुओं की समीक्षा की गई।

डिप्टी सीएम समेत सांसदों से लिया सुझाव

इसी क्रम में महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने रीवा में ही मध्य प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा तथा सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्र से भेंट कर यात्रियों की सुविधाओं, स्टेशन विकास एवं क्षेत्रीय रेल आवश्यकताओं से संबंधित सुझाव प्राप्त किए। उन्होंने प्राप्त सुझावों पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए सम्बंधित अधिकारियों

को निर्देश दिए।उल्लेखनीय है कि 541 किलोमीटर लंबी ललितपुर-सिंगरौली नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत पश्चिम मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार में आने वाली रीवा-सीधी-सिंगरौली (163 किमी) रेल परियोजना का निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। परियोजना पूर्ण होने पर क्षेत्र में बेहतर रेल संपर्क स्थापित होगा तथा व्यापार, उद्योग और रोजगार को नई गति मिलेगी।

90 प्रतिशत ऑनलाइन उपस्थिति की शर्त पर स्थानांतरण सुविधा देना अन्याय

■ शासकीय शिक्षक संगठन ने जताया विरोध

■ स्थानांतरण नीति में अवसर की असमानता समाप्त कर सभी पात्र शिक्षकों को मिले पारदर्शी अवसर : अतुल

नगर संवाददाता, सतना।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी शैक्षणिक स्थानांतरण नीति में ऑनलाइन उपस्थिति (अटेंडेंस) को 90 प्रतिशत अनिवार्य किए जाने के निर्णय पर शासकीय शिक्षक संगठन के जिला अध्यक्ष अतुल सिंह परिहार ने आपत्ति दर्ज कराते हुए इसे शिक्षकों के साथ अन्यायपूर्ण एवं भेदभावपूर्ण नीति बताया है। उन्होंने कहा कि जिले के हजारों शिक्षक लंबे समय से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ हैं। ऐसे शिक्षकों द्वारा सुविधापूर्ण, पारदर्शी एवं ऑनलाइन स्थानांतरण की मांग लगातार की जाती रही है, लेकिन वर्तमान नीति में उन्हीं शिक्षकों को स्थानांतरण के अवसर से वंचित किया जा रहा है, जो विभिन्न कारणों से 90 प्रतिशत ऑनलाइन उपस्थिति पूरी नहीं कर पाए।

तकनीकी समस्या से जूझती रही ऑनलाइन व्यवस्था- श्री परिहार ने कहा कि ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था प्रारंभ से ही अनेक तकनीकी समस्याओं से प्रभावित रही है। दूरस्थ क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या, मोबाइल एवं तकनीकी संसाधनों की अनुपलब्धता सहित कई व्यवहारिक कठिनाइयों के कारण कई शिक्षक नियमित ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं करा सके। इसके अतिरिक्त कई शिक्षकों ने व्यवस्था की विसंगतियों के विरोध में लोकतांत्रिक तरीके से प्रतीकात्मक अटेंडेंस का बहिष्कार भी किया था सरकार की अव्यवहारिक योजनाओं का विरोध करने पर प्रतिशोध की भावना से सरकार ने शिक्षकों स्थानांतरण सुविधा से वंचित करने का दंड दिया है।

शिक्षकों के साथ अन्याय

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा उस समय शिक्षकों को इन परिस्थितियों से अवगत नहीं कराया गया और न ही समाधान के प्रयास किए गए। अब स्थानांतरण जैसी मूलभूत सुविधा को ऑनलाइन उपस्थिति से जोड़कर उन शिक्षकों को दंडित किया जा रहा है, जिन्होंने व्यवस्था की कमियों के विरुद्ध अपनी आवाज उठाई है । यह नीति ऐसी स्थिति उत्पन्न कर रही है जिसमें दूरस्थ क्षेत्रों में कठिन परिस्थितियों में सेवा देने वाले शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं, जबकि पहले से सुविधाजनक स्थानों पर पदस्थ शिक्षक इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। यह समानता और न्याय के सिद्धांत के विपरीत है। उन्होंने शासन से मांग की है कि स्थानांतरण के लिए 90 प्रतिशत ऑनलाइन उपस्थिति की बाध्यता को समाप्त किया जाए तथा सभी पात्र शिक्षकों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत स्थानांतरण का अवसर प्रदान किया जाए।

बीएससी द्वितीय वर्ष की परीक्षा देने के बाद भी छात्रा को घोषित किया अनुपस्थित, अंकसूची के लिए भटकने को मजबूर

नगर संवाददाता, सतना।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा की बड़ी लापरवाही के कारण शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना की बी.एससी. फाइनल ईयर की नियमित छात्रा आंचल सिंह, पिता सूरज पाल सिंह, निवासी कैलाशपुर तहसील मझगवां, मानसिक रूप से परेशान हैं और उनका भविष्य अधर में लटका हुआ है। छात्रा का आरोप है कि उन्होंने वर्ष 2024 में आयोजित बी.एससी. द्वितीय वर्ष (मेजर-1 गणित) की परीक्षा पूरी निष्ठा के साथ दी थी और उनकी उत्तर पुस्तिका का क्रमांक 382361 है। इसके बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा मनमाने ढंग से उन्हें परीक्षा में अनुपस्थित घोषित कर दिया गया, जिसके कारण उनकी द्वितीय वर्ष की अंकसूची जारी नहीं हो सकी है। इस गंभीर विसंगति को सुधारने के लिए छात्रा ने पूर्व में महाविद्यालय के प्राचार्य को आवेदन सौंपा था, और रीवा विश्वविद्यालय में मुख्य उत्तर पुस्तिका की खोजबीन भी कराई गई, लेकिन वहां भी कॉपी का कोई सुराग नहीं मिल सका। कॉलेज के आंतरिक मूल्यांकन रिकॉर्ड में उपस्थित होने और परीक्षा की मुख्य उपस्थिति पत्रक में रोल नंबर के आगे बकायदा हस्ताक्षर होने के पुख्ता प्रमाण मौजूद होने के बाद भी विश्वविद्यालय स्तर पर उन्हें अनुपस्थित दर्शाया गया है थक-हारकर पीड़ित छात्रा ने अब इस मामले में न्याय पाने और अपनी अंकसूची जारी करवाने के लिए जिला कलेक्टर के समक्ष जनसुनवाई में आवेदन देकर उचित वैधानिक कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर युवक पर चाकू से हमला, 5 हजार रुपये लूटकर फरार

नगर संवाददाता, सतना।

शहर के कोलगवां थाना क्षेत्र में शराब के लिए पैसे मांगने का विरोध करने पर एक युवक पर धारदार हथियार से हमला कर 5 हजार रुपये लूट लिए गए। गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिंधी कैंप मीरानी मोहल्ला निवासी इरफान खान पिता फरीद खान 28 वर्ष शनिवार दोपहर रीवा रोड स्थित ट्रैक्टर-ट्रॉली की दुकान से अपने घर लौट रहे थे। दोपहर करीब 2 बजे बसोर बस्ती के पास ददन कोल, रवि कोल और उनके अन्य साथियों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि आरोपियों ने इरफान से शराब पीने के लिए पैसे मांगे। इरफान द्वारा पैसे देने से इनकार करने पर उन्होंने पहले मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर एक आरोपी ने धारदार हथियार से उनके सिर पर हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुरुषोत्तम मास की समाप्ति के बाद से मांगलिक कार्यक्रमों से हटा ब्रेक

नगर संवाददाता, सतना।

अधिकमास यानी पुरुषोत्तम मास की समाप्ति के साथ ही विवाह और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों पर लगा विराम हट गया है। शादी-ब्याह और नए बिजनेस या घर की शुरुआत करने वालों का इंतजार अब खत्म हो गया है। मानसून के साथ अधिकमास 15 जून को समाप्त हो गया। इससे सभी मांगलिक कार्यों पर लगी रोक हट गई है। 19 जून से विवाह, गृह प्रवेश, सगाई, मुंडन और अन्य शुभ कार्यों के लिए मुहूर्त उपलब्ध हो गए हैं। इसके साथ ही लंबे समय से टली शादियों और पारिवारिक आयोजनों की तैयारियां भी तेज हो गई हैं। शादी विवाह समारोह की तैयारियों को लेकर बाजार में रौनक दिखाई देने लगी है।

25 जुलाई से शुरू होगा चातुर्मास- अधिकमास के दौरान विवाह सहित अधिकांश मांगलिक कार्य वर्जित माने जाते हैं। इसी कारण पिछले एक महीने से शुभ कार्यों पर विराम लगा हुआ था। अब जून और जुलाई में विवाह के लिए कुल 17 शुभ मुहूर्त उपलब्ध हैं, जिनमें बड़ी संख्या में जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। 25 जुलाई से चातुर्मास शुरू हो जाएगा, जिसके बाद अगले चार महीनों तक विवाह और अन्य मांगलिक कार्य नहीं किए जाएंगे। ऐसे में सीमित मुहूर्तों के कारण इस बार विवाह समारोहों की संख्या अधिक रहने की संभावना है। ज्योतिषाचार्य के अनुसार, जून और जुलाई में विवाह के कई शुभ मुहूर्त हैं।

सराफा, कपड़ा दुकानों में बढ़ी ग्राहकी

जून में 17 तारीख से मांगलिक कार्य शुरू होने के साथ ही विवाह के लग्न मुहूर्त 19 जून से शुरू हो गए हैं। ऐसे में शादी विवाह का सीजन शुरू होने से बाजारों में भी रौनक लौटने लगी है। सराफा, कपड़ा, कैटरिंग, सजावट, बैंक्वेट हॉल और फार्म हाउस कारोबार से जुड़े लोगों को अच्छी मांग की उम्मीद है। अधिकमास के दौरान स्थगित हुए कई कार्यक्रम अब इन मुहूर्तों में आयोजित किए जाएंगे। स्थानीय बाजारों में आभूषण, कपड़े और उपहार सामग्री की खरीदारी भी बढ़ने लगी है। कारोबारियों का मानना है कि आगामी एक महीने में मांग में और तेजी आएगी।

फर्नीचार व इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबार में लौटी रौनक

शुभ कार्यों की शुरुआत से न केवल परिवारों में उत्साह है, बल्कि इससे जुड़े विभिन्न व्यवसायों में भी रौनक नजर आने लगी है। शहर के सुस्त पड़े कपड़ा, ज्वेलरी, बर्तन, फर्नीचर, इलेक्ट्रानिक्स, उपहार, किराना, टेंट, सजावट, बैंड-बाजा, मिठाई और कैटरिंग व्यवसाय में तेजी देखने को मिल रही है। ग्राहकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे कारोबार में उत्साह का माहौल है। 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी से चातुर्मास शुरू होगा। इस दिन भगवान विष्णु चार महीने के लिए योग निद्रा में चले जाते हैं।

[परेशानी] कच्चे रास्तों पर निर्भर कई बीट मुख्यालय

बारिश में कैद हो जाएंगी जंगल की चौकियां

■ मानसून में गश्त, रेस्क्यू और अवैध गतिविधियां पर रोक बन सकती है चुनौती

नगर संवाददाता, सतना।

जिले में मानसून की दस्तक के साथ जहां वन विभाग पौधरोपण और वन्यजीव संरक्षण की तैयारियों में जुटा हुआ है वहीं जंगलों की निगरानी व्यवस्था को लेकर एक गंभीर सवाल खड़ा हो गया है। जिले के कई वन बीट मुख्यालय और चौकियां आज भी कच्चे रास्तों के सहारे संचालित हो रही हैं। हर साल बारिश के दौरान इन मार्गों पर कीचड़ और नालों में उफान आने से संपर्क टूट जाता है जिससे जंगल की सुरक्षा, वन्यजीव निगरानी और रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है।

कच्चे रास्तों के भरोसे

सतना और मैहर वन मंडलों के अंतर्गत कई बीट मुख्यालय ऐसे क्षेत्रों में स्थित हैं जहां पहुंचने के लिए कर्मचारियों को कच्चे रास्तों और मौसमी नालों से होकर गुजरना पड़ता है। सामान्य दिनों में किसी तरह आवागमन बना रहता है लेकिन लगातार बारिश होने पर कई मार्ग वाहन चलने योग्य नहीं रह जाते। ऐसे में वनकर्मियों की गश्त सीमित हो जाती है और कई चौकियां दिनों तक मुख्यालय से कट जाती हैं।

पौधरोपण व वन्यजीव संरक्षण की बढ़ेगी जिम्मेदारी

वन विभाग के लिए मानसून सबसे व्यस्त समय माना जाता है। इसी दौरान बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान संचालित होता है। पौधों की सुरक्षा निगरानी और रखरखाव की जिम्मेदारी भी इसी मौसम में बढ़ जाती है। दूसरी ओर बारिश के दौरान वन्यजीवों की गतिविधियां तेज हो जाती हैं और सांप, गोह सहित अन्य जीव आबादी वाले क्षेत्रों तक पहुंचने लगते हैं। ऐसे समय में रेस्क्यू टीमों की त्वरित उपलब्धता बेहद जरूरी होती है। वन क्षेत्रों में अवैध कटाई, शिकार और खनन जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने की जिम्मेदारी भी वन विभाग के कंधों पर है। स्थानीय जानकारों का कहना है कि जब बारिश के कारण गश्ती दलों की आवाजाही प्रभावित होती है, तब असामाजिक तत्वों के सक्रिय होने की आशंका बढ़ जाती है।

हर साल उठता है मुद्दा, समाधान अब भी अधूरा

वन विभाग हर वर्ष मानसून से पहले तैयारियों का दावा करता है, लेकिन जमीनी स्तर पर कच्चे रास्तों और संपर्क मार्गों की समस्या जस की तस बनी हुई है। सवाल यह है कि जब वन्यजीव संरक्षण, पौधरोपण और जंगल सुरक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, तो उन चौकियों तक पहुंचने वाले मार्ग अब तक पक्के क्यों नहीं हो सके, जो पूरे वन प्रबंधन तंत्र की पहली कड़ी हैं। मानसून शुरू होने से पहले यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आने वाले चार महीनों में जंगलों की सुरक्षा का पूरा दारोमदार इन्हीं चौकियों और बीट मुख्यालयों पर रहने वाला है। यदि चौकियां ही बारिश में कैद हो गईं तो जंगलों की निगरानी कितनी प्रभावी रह पाएगी यह बड़ा प्रश्न है।

संक्षिप्त समाचार

कटकी क्योंटी नहर निर्माण में मुआवजे का फंसा पेंच

रीवा। जिले के सिरमौर तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खटकी में क्योंटी नहर निर्माण में आ रही बाधा को दूर करने के लिए पुलिस और प्रशासन शुक्रवार को मौके पर पहुंचा इस दौरान अवरोध उत्पन्न करने वाले परिवार को समझाइस देकर नहर निर्माण का कार्य शुरू कराया गया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने बताया कि नहर निर्माण के दौरान निजी भूमि के मुआवजा वितरण को लेकर बाधाएँ आ रही थी जिसे मौके पर ही निराकरण कर कार्य को शुरू कराया गया है। बताया गया है की कटकी गांव निवासी मनीष मिश्रा की निजी आरजी की भूमि नहर निर्माण में अधिग्रहित की गई थी। मनीष मिश्रा का कहना है कि इस भूमि का उन्हें मुआवजा वितरण नहीं किया गया था जिसके चलते वह नहर निर्माण में बाधा उत्पन्न कर रहे थे।

निःशुल्क मेडिकल कैम्प अंगूरी बिल्डिंग में संपन्न

रीवा। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया रीवा यूनिट द्वारा 21 जून 2026 को नि : शुल्क मैडिकल कैंप हैदराबाद ओमेगा हॉस्पिटल जबलपुर एवं सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर की उपस्थिति में आयोजित किया जा रहा है। यह कैंप सुभाष चौक फोर्स मोटर्स अंगूरी बिल्डिंग यूनिवर्सिटी रोड खुटेही रीवा मेंआयोजित किया जाएगा। इस संबंध में शाहिद परवेज ने बताया कि कैम्प में 11 बजे से 3 बजे तक डॉक्टर के परामर्श प्राप्त होंगे, 10 बजे से रजिस्ट्रेशन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया। इस नि : शुल्क मेडिकल कैंप में भारत के सुपर स्पेशलिस्ट डॉ शशांक सिंह कैंसर रोग विशेषज्ञ जो ओमेगा हॉस्पिटल जबलपुर में पदस्थ हैं, के अलावा डॉ अहतेशाम अंसारी हृदय रोग विशेषज्ञ ओमेगा हॉस्पिटल जबलपुर, डॉ अमित जयकुमार जैन हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण सर्जन जबलपुर, अखिलेश तिवारी जबलपुर ओमेगा हॉस्पिटल, डॉक्टर रविकांत महंत जनरल सर्जन ओमेगा हॉस्पिटल, डॉक्टर योगराज सिंह ओमेगा हॉस्पिटल जबलपुर, डॉ बीडी त्रिपाठी हृदय रोग विशेषज्ञ रीवा, डॉ अन्नपूर्णा सिंह बाल रोग विशेषज्ञ, डॉ अंकित तिवारी ईएनटी विशेषज्ञ रीवा, सहित अन्य चिकित्सक मेडिकल कैंप में जरूरतमंद लोगों को निशुल्क परामर्श एवं सेवाएं प्रदान करेंगे।

श्रद्धापूर्वक मनाया गया वर्षी उत्सव

सत्संग की मर्यादा का पालन अत्यावश्यकः हंसदास

रीवा, नगर संवाददाता।

श्री झूलेलाल धाम, सिंधु भवन के महंत स्वामी धर्मदास जी का 8वाँ पुण्यतिथि दिवस सर्व संत मंडल, ब्राह्मण मंडल, श्री झूलेलाल धाम सेवा समिति, पूज्य सेंट्रल पंचायत और सर्व भक्त मंडल ने अत्यंत श्रद्धा पूर्वक मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री लक्ष्मीनारायण भगवान, श्री पवनसुत हनुमान, झूलेलाल साईं और खाटू श्याम की आरती के साथ हुआ। तत्पश्चात अखिल भारतीय सिंधु संत समाज ट्रस्ट के राष्ट्रीय महामंत्री संत स्वामी हंसदास ने काकभुशुण्डि और भगवान भोलेनाथ की कथा का प्रमाण देते हुए सत्संग की मर्यादाओं का वर्णन करते हुए कहा कि सत्संग में अगर आपकी वजह से कथा व्यास अथवा किसी भी श्रोता का ध्यान भंग होता है तो आपके लिए ये कोई फायदे का सौदा नहीं है। अपने प्रवचनों में स्वामी जी ने गुरु अर्जुन देव जी की सनातन धर्म के प्रति उनके बलिदान का भी स्मरण किया और कहा कि किसी प्रकार के भय, प्रलोभन या तुच्छ स्वार्थ के पीछे अपने धर्म का त्याग नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री सच खंड धाम के महंत स्वामी कमलदास ,भाई साहिब कृपालदास, श्रीमती कोमल शर्मा, सर्वश्री सरदार प्रहलाद सिंह, घनश्याम काकवाणी, लद्दाराम ठारवानी, गोपाल पूरी, अशोक रोहिड़ा, हरचाराम हिरवानी, श्रीचंद्र कोटवानी, अशोक मंजानी पप्पू, कमलेश सचदेवा, महेश आसनानी, वीरेंद्र चुंगवानी, दिलीप आसनानी, नरेश तारवानी, राजकुमार टिलवानी, कैलाश कोटवानी, शंकर सहानी, जयपाल पूरी, मोतीलाल केशवानी, महेश लेडवानी, पमन मंशानी, प्रकाश डुडानी, मुकेश हिरवानी, रमेश वाधवानी, संतोष गंगवानी, सुंदरदास तारवाणी, कैलाश जसूजा, अमित गंगवानी, गोपाल मंजानी, सचिन डुडानी, विजय ठारवानी बब्बू,अजीत आहूजा, महेश हिरवानी, सुरेश पंजवानी पप्पन,पप्पू भाई सहित अनेक गणमान्य नागरिक, महिलाएं, पुरुष और भक्तगण सम्मिलित हुए।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने किया खून का दान

रीवा, नगर संवाददाता।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर रीवा में मानव सेवा और जनकल्याण की भावना के साथ कांग्रेस परिवार के कार्यकर्ताओं द्वारा रक्तदान कर जरूरतमंदों के जीवन बचाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर रीवा जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में आयोजित रक्तदान कार्यक्रम में कई कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने रक्तदान को महादान बताते हुए समाज में जागरूकता का संदेश दिया। रक्तदान करने वालों में जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय, अखंड सिंह बघेल, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष शिवम मिश्रा, हस्द्ध जिला उपाध्यक्ष रॉबिन्सन, विधानसभा अध्यक्ष संस्कार त्रिपाठी, गौरव तिवारी, प्रतीक दुबे, शक्ति पाठक सहित अन्य साथी शामिल रहे। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी के जन्मदिन को सेवा और समर्पण के रूप में मनाते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों को निरंतर जारी रखा जाएगा।

बालभारती विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य विषय पर कार्यशाला आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के निर्देशानुसार बालभारती विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण(मेन्टल हेल्थ एण्ड वेलनेस) विषय पर कार्यशाला का सफ्ल आयोजन किया गया। सर्वप्रथम निदेशक ने मुख्य वक्ता डॉ. गगनदीप कौर (क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एवं मेंटलहेल्थ एण्ड वेलबीइंग पुस्तक की लेखिका) का स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय मे मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना उतना ही आवश्यक है जितना शारीरिक स्वास्थ्य का। शिक्षक विद्यार्थियों के मानसिक एवं भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सकारात्मक वातावरण और संवेदनशील व्यवहार के माध्यम से विद्यार्थियों को तनावमुक्त एवं आत्मविश्वासी बनाया जा सकता है। मुख्य वक्ता डॉ. गगनदीप कौर ने अपने वक्तव्य में मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन, सकारात्मक सोच तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दीं। कार्यशाला में उपस्थित शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने सक्रिय सहभागिता करते हुए इस कार्यक्रम को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया तथा ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की सराहना करते हुए इसकी आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के निदेशक,प्राचार्य , प्रधानाध्यापिका, समन्वयिक ।महोदया एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन मकान की बाउंड्री तोड़ने सहित पत्थरबाजी का आरोप

■ एसपी आफिस पहुंचकर पीड़ित परिवार ने लगायी न्याय की गुहार

रीवा, नगर संवाददाता।

जिले के मनगवां थाना क्षेत्र में जमीन को लेकर चल रहे विवाद ने एक बार फिर हिंसक रूप ले लिया। देर रात कुछ लोगों द्वारा निर्माणाधीन मकान की बाउंड्री तोड़ने और घर पर पत्थरबाजी करने का आरोप लगाया गया है। घटना से सहमे परिवार ने शनिवार सुबह पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। फरियादी निर्मला तिवारी के अनुसार वह अपने मकान का निर्माण करा रही हैं। इसी बात को लेकर कुछ लोगों से विवाद चल रहा था और पहले भी उन्हें निर्माण कार्य रोकने की धमकी दी गई थी। पूर्व में हुई शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाइश देकर मामला शांत कराया था, लेकिन इसके बावजूद शुक्रवार देर रात विवाद फिर बढ़ गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि कई लोग हथियारों के साथ पहुंचे और निर्माणाधीन बाउंड्री को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान गाली-गलौज और पत्थरबाजी भी की गई, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत देकर आरोपियों पर सख्त कार्रवाई और जान-माल की सुरक्षा की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटनाओं से हुई मौतें युद्ध विभीषिका से कम नहीं

फुटपाथ पर चलना लोगों का मौलिक अधिकार पर कहां बचे फुटपाथः अजय खरे

रीवा, नगर संवाददाता।

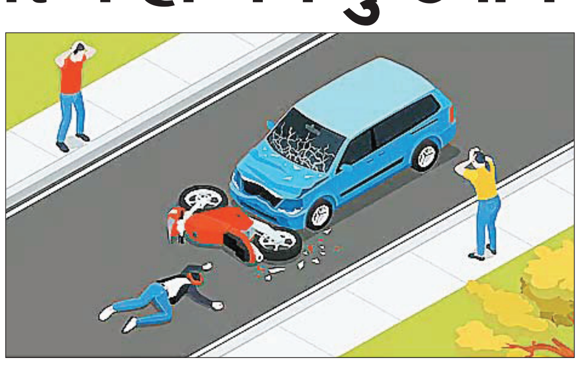

समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि देश में बढ़ती जा रही सड़क दुर्घटनाओं के चलते साल भर में हताहत लोगों की संख्या लाखों में है। पैदल चलने वालों से लेकर विभिन्न वाहनों में सवार लोगों का जीवन सुरक्षित नहीं है। कब किसी गली में शाम हो जाए कुछ कहा नहीं जा सकता है। इतने बड़े पैमाने पर सड़क दुर्घटनाओं में हताहतों की संख्या किसी महायुद्ध की विभीषिका से कम नहीं है। इसके चलते लाखों लोगों का पारिवारिक जीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। बीमा कंपनियों से आर्थिक क्षतिपूर्ति लेने के लिए पीड़ित पक्ष को लंबी मुकदमे बाजी से गुजरना पड़ता है। किसी भी परिवार को ऐसी सहायता नहीं मिलती कि वह अपने आगे के जीवन की बेहतर शुरुआत कर सके। इस संबंध में सरकार को लोगों के जीवन सुरक्षा संबंधी गारंटी लेनी चाहिए। लोकतंत्र सेनानी श्री खरे ने बताया कि अभी हाल में सुप्रीम कोर्ट ने सड़क दुर्घटना के एक मामले में फैसला देते हुए कहा कि फुटपाथ पर चलना लोगों का मौलिक अधिकार है। श्री खरे ने कहा कि वर्तमान दौर में विकास के नाम पर फ्लाईओवरों, हाईवे की भरमार है,जिसमें अनियंत्रित रफ्तार से भारी भरकम वाहनों का भी आवागमन है। श्री खरे ने बताया कि अधिकांश भयावह सड़क दुर्घटनाए अनियंत्रित रफ्तार के वाहनों से ही होती हैं। सड़क किनारे पैदल चलने वाले लोग एकदम असुरक्षित रहते हैं क्योंकि उनके लिए अलग से फुटपाथ नहीं होता है। जहां कहीं फुटपाथ भी हैं तो उस पर अतिक्रमण होने से पैदल चलने वालों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं। सरकार को प्राथमिकता के आधार पर पैदल चलने वालों के लिए अधिक से अधिक फुटपाथों का निर्माण कराना चाहिए।

पीएम आवास योजना के तहत

हितग्राहियों को मिला सपनों का घर, कराया गया गृह प्रवेश

रीवा, नगर संवाददाता।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत बीएलसी एवं एएचपी श्रेणी के हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराने तथा जिन आवासों का निर्माण होना है, उनका भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किए जाने के साथ ही बीएलसी हितग्राहियों की प्रथम एवं द्वितीय किस्त की राशि अंतरण की कार्यवाही करने के निर्देश जारी किए गए थे। 20 जून को निगम आयुक्त अक्षत जैन के निर्देशानुसार वार्ड 45 अंतर्गत 35 हितग्राहियों, जिनमें लक्ष्मी कुशवाहा, आशुतोष विश्वकर्मा, अनीश खान, जीवेश प्रताप सिंह, विजय लक्ष्मी चौहान, शिवदत्त त्रिपाठी, रमेश कुमार बंसकार आदि शामिल हैं, को एक-एक लाख रुपये की प्रथम किस्त तथा 71 हितग्राहियों, जिनमें संगीता कुशवाहा, सलमा बेगम, गनेश यादव, सुधा जैसवाल, दुर्गा सोधिया, ददोल सोनीराम, राजेन्द्र कुशवाहा, सुनील कुमार शुक्ला आदि शामिल हैं, की द्वितीय किस्त हस्तांतरित किए जाने की कार्यवाही की गई। इसी के साथ 10 हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान वार्ड 22 की पार्षद श्रीमती पूजा प्रमोद सिंह, वार्ड 43 की पार्षद श्रीमती आशा कुशवाहा, वार्ड 45 के पार्षद गंगा यादव एवं जनप्रतिनिधि सुभाष कुशवाहा, पीएम आवास सहायक यंत्री राजेश चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लोक कल्याण मेला के शिविरों में 218 आवेदन प्राप्त

रीवा, नगर संवाददाता।

नगर पालिक निगम रीवा द्वारा ''लोक कल्याण मेला'' के तहत प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत चारों जोनों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। योजना के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान में पथ विक्रेताओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है।

अभियान की निरंतरता में 20 जून को आयोजित शिविरों में चारों जोनों से कुल 218 आवेदन प्राप्त हुए। शिविरों के दौरान जोन क्र. 01 में 45, जोन क्र. 02 में 57, जोन क्र. 03 में 53 एवं जोन क्र. 04 में 63 अर्थात कुल 218 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 15 हजार रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक के ऋण तथा क्रेडिट कार्ड संबंधी आवेदन शामिल हैं। 21 जून को भी जोन क्रमांक 01 में खैरा काली मंदिर के पास, जोन क्रमांक 02 में सॉई मंदिर के पास, जोन क्रमांक 03 में शिल्पी कुंज के पास, समान तिराहा में एवं जोन क्र. 04 धोबिया टंकी में विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा।

गरीब एवं असहायों के बीच काटा गया केक, बांटे लड्डू फल

अल्पसंख्यक कांग्रेस ने राहुल गांधी का मनाया जन्मदिन

रीवा, नगर संवाददाता।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर जिला अल्पसंख्यक कांग्रेस अध्यक्ष मुस्तहाक़ खान के आह्वान पर स्थानीय साईं मंदिर परिसर, रीवा में गरीबों एवं असहाय लोगों के बीच सेवा एवं सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे तथा केक काटकर जन्मदिवस मनाया गया। साथ ही जरूरतमंद लोगों को लड्डू एवं फल वितरित किए गए। कार्यक्रम के आयोजक एवं जिला अल्पसंख्यक कांग्रेस अध्यक्ष मुस्तहाक़ खान ने कहा कि राहुल गांधी ने सदैव देश के सभी वर्गों, विशेषकर अल्पसंख्यक समाज, युवाओं, किसानों एवं वंचित समुदायों की आवाज़ को मजबूती से उठाया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की बैठक में राहुल गांधी ने अल्पसंख्यक समाज की भागीदारी और सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया, जो उनकी समावेशी सोच और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष लखन लाल खंडेलवाल ने अपने संबोधन में कहा कि राहुल गांधी ने हमेशा सत्य, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष किया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चिरहुला के अध्यक्ष रामकीर्ति शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी युवाओं के लिए लंबे समय से प्रेरणास्त्रोत रहे हैं। पूर्व शहर कार्यकारी अध्यक्ष वसीम राजा ने कहा कि राहुल गांधी ने हमेशा गरीबों, असहायों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ी है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्षद अकरम अंसारी, अखिलेश द्विवेदी, दिलीप ठारवानी, माजिद खान, लल्लू सिंह यादव, आशिक खान, नूर अफज़ल अंसारी, अनवर अंसारी, रामस्वरूप झंझोट, मोहम्मद हारून खान, प्रभात पाण्डेय, एजाज खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे -मुस्तहाक खान अध्यक्ष जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग रीवा।

बाइक सवार को कार ने मारी टक्कर, हालत गंभीर

■ बैकुण्ठपुर थाना के पिपरी मोड़ समीप हुआ हादसा

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा मार्ग पर बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के पिपरी मोड़ के समीप शनिवार दोपहर हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। जानकारी के अनुसार पल्हन गांव निवासी रवेंद्र पांडेय बाइक से बैकुंठपुर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पिपरी मोड़ के पास रीवा की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर बैकुंठपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल संजय गांधी अस्पताल भिजवाया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। दुर्घटना के बाद चालक कार सहित फरार हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और वाहन की पहचान कर चालक का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

अटल कुंज में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

रीवा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी कार्यालय अटल कुंज में प्रात : 7.30 बजे योग कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, सांसद जनार्दन मिश्रा भाजपा, जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, जनप्रतिनिधिगण, पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता उपस्थित रहें। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को स्वस्थ एवं निरोग जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

संपादकीय

यह चोरी 'महापाप' है

अयोध्या के राम मंदिर में भी भ्रष्टाचार, घोटाला पनप रहा है। भगवान राम के प्रति अगाध आस्था के तौर पर मंदिर में जो दान दिया जाता है या चढ़ावा दान में आता है, उसे चोर डकार रहे हैं। यह सिर्फ आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक शर्मिन्दगी है। अभी तक जो सामने आया है, उसके मुताबिक ये तत्व राम मंदिर की भीतरी व्यवस्था के ही अंग हैं। चढ़ावा-चोरी का आरोप 200 करोड़ रुपए का लगाया गया है। यह राजनीतिक आरोप हो सकता है, क्योंकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेष जांच टीम को अपनी अंतरिम रपट देनी है, लेकिन चौंकाने और हैरान करने वाली बात यह है कि न तो राम मंदिर के ट्रस्ट ने पुलिस स्टेशन में कोई प्राथमिकी दर्ज कराई और न ही ट्रस्ट के सवालिया, आरोपी महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा दिया। चंपत राय बुनियादी और नैतिक रूप से सभी स्थितियों के लिए जिम्मेदार हैं। मंदिर में वीआईपी बनकर विराजमान रहने के लिए ही उनकी नियुक्ति नहीं की गई थी। राम मंदिर में निर्माण समिति के अध्यक्ष के तौर पर नृपेन्द्र मिश्रा भी हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी के प्रधान सचिव होते थे। उन्होंने मुख्यमंत्री के दिशानिर्देश और आशीर्वाद की बात कही है। क्या जांच दल को इनकी दरकार है? कुछ आरोपियों के घरों से लाखों रुपए की नकदी बरामद की गई है। गोबर के ढेर के नीचे भी नकदी छिपा कर रखी गई थी, लेकिन दान-चोरी तो करोड़ों में बताई जा रही है!

प्रभु राम हमारे आराध्य हैं, मन-मन में बसे हैं, सदियों बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने का सपना साकार हुआ है, तो प्रभु के सानिध्य में ऐसे आरोपी कैसे और कब पैदा हो गए? यह सुरक्षा-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष जांच टीम गठित तो कर दी, लेकिन जब प्राथमिकी ही दर्ज नहीं है, तो जांच टीम किस अपराध, किस चोरी अथवा आरोपों की जांच कर रही है? यह चोरी 'आर्थिक भीतरघात' भी है, क्योंकि आरोपित वे बताए जा रहे हैं, जो दान के नोटों की गिनती की रोजाना की प्रक्रिया और ऑडिट से जुड़े रहे हैं। नोटों की गिनती भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारी, मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी, सीसीटीवी की निगरानी में, करते रहे हैं। क्या मंदिर के भीतर ही एक 'संगठित गिरोह' ने आकार ले लिया है? कोई अकेला इतनी बड़ी चोरी नहीं कर सकता। बेशक यह चोरी 'महापाप' है। बहरहाल 2024-25 में राम मंदिर में कुल 327 करोड़ रुपए का दान या चढ़ावा आया। उसमें से दानपेटियों में ही करीब 153 करोड़ रुपए का दान आस्थावानों ने दिया। औसतन 12.75 करोड़ रुपए दान प्रति माह आया। अर्थात करीब 42 लाख रुपए रोजाना! यह कोई सामान्य राशि नहीं है। चूंकि जनवरी, 2024 में प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी। अत्यंत भव्य कार्यक्रम था। कई आंखें डबडबा रही थीं। इस पुण्य अवसर पर देश के प्रधानमंत्री और असंख्य साधु-संत उपस्थित थे। किसी ने ऐसी चोरी-डकैती की कल्पना तक नहीं की थी। यदि इन अढाई सालों में ही 200 करोड़ रुपए की चोरी-डकैती मान लें, तो उस हिसाब से करीब 27 लाख रुपए की हररोज चोरी की गई। यकीनन यह बेहद संवेदनशील और गंभीर मामला है, 2027 के विधानसभा चुनाव का बुनियादी मुद्दा भी बन सकता है।

फिर रूस पर शिकंजा कसने की तैयारी

पुष्परंजन

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं

जी-7 नेताओं का शिखर सम्मेलन आखिकार समाप्त हो गया। जी-7 के मंच पर उभयपक्षीय बातचीत के दौरान मोदी ने ट्रंप से कहा, 'भारतीय नाविकों की सुरक्षा ज़रूरी है।' मोदी ने यह भी कहा, कि उन्हें खुशी है भारतीय और अमेरिकी टीमें लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। मोदी ने 'अमेरिका के साथ संबंधों में नई गति और ऊर्जा' पर ज़ोर दिया। फ्रेंच आल्प्स के एवियन-लेस-बेन्स में होटल रॉयल में, जहां जी-7 समिट के लिए जर्मनी, कनाडा, अमेरिका, फ्रांस, इटली, जापान, यूके और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि इकट्ठा हुए थे, अमेरिकी राष्ट्रपति ने बार-बार सभी से कहा कि ईरान के साथ उनकी 'डील' 'ज़बरदस्त' थी। दुनिया की सात सबसे बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के समूह में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं।

जी-7 में यूरोपीय संघ का भी प्रतिनिधित्व है। बुधवार सुबह जारी एक बयान में, जी-7के नेताओं ने रूसी अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने का संकल्प लिया। नेताओं के बयान में कहा गया, 'इस नई गति को समर्थन देने और तेज़ करने के लिए, हम एयर डिफेंस क्षमताएं, इंटरसेप्टर तथा लंबी दूरी की युद्धक क्षमताएं उपलब्ध कराने को बढ़ाने पर सहमत हैं। हम अपने प्रतिबंधों को और मज़बूत करेंगे, जिसमें तेल और गैस सेक्टर पर लगाए गए प्रतिबंध भी शामिल हैं।' यह बयान उस सकारात्मक माहौल को दर्शाता है जो मंगलवार को तब बना था जब जी-7 नेताओं ने अपने पहले आधिकारिक एजेंडे की शुरुआत करते हुए बैठक में सबसे पहले यूक्रेन पर चर्चा की थी। इस साल की बैठक के मेज़बान इमैनुएल मैक्रों ने शिखर सम्मेलन में विशेष अतिथि के तौर पर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की को आमंत्रित करके यह स्पष्ट कर दिया था कि यूक्रेन जी-7 के एजेंडे में सबसे ऊपर है। पिछले कुछ महीनों में ट्रंप प्रशासन ईरान के साथ चल रहे तनाव में उलझा हुआ था। लेकिन उससे पहले ही, उनके प्रशासन ने यूक्रेन की मदद करने की ज़िम्मेदारी यूरोपीय सहयोगियों पर छोड़ दी थी, और ईयू ने इस ज़िम्मेदारी को बखूबी निभाया है। 27 सदस्यीय ईयू यूक्रेन को सबसे ज़्यादा आर्थिक मदद देने वाला संगठन बन चुका है। ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान युद्ध के दौरान तेल की कीमतें कम करने के लिए रूस पर जो प्रतिबंध हटाए गए थे, उन्हें फिर से लागू किया जा सकता है, क्योंकि अब होर्मुज जलडमरूमध्य से ज़्यादा तेल की आवाजाही हो रही है। ट्रंप ने यह भी कहा कि 'रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध खत्म करने के लिए समझौता करना चाहिए' और साथ ही कहा कि वह 'जो कुछ भी कर सकते हैं, करेंगे।' यह उन यूरोपीय नेताओं के लिए अच्छी खबर थी जो यूक्रेन को समर्थन देने से जुड़े सवालों का सामना करने के लिए पूरी तैयारी के साथ आए थे। अमेरिकी प्रेस में लीक हुई कुछ जानकारियों से पता चलता है कि अमेरिका ईरानी तेल पर लगी पाबंदियां हटाने के लिए तैयार हो सकता है, जिससे ईरान को अपने फंड फिर से भरने का मौका मिलेगा। इसके बदले में ईरान को बस यह वादा करना होगा कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान का मुद्दा जल्द ही 'पीछे छूट जाएगा', लेकिन अभी के लिए वह 'ईरान पर ध्यान केंद्रित' किए हुए हैं। जानकारों का कहना है कि रूस अब थकने लगा है। यूक्रेन की ड्रोन युद्ध क्षमता जैसे कि लंबी दूरी के ड्रोन लॉन्च करने की उसकी काबिलियत, जिसका इस्तेमाल उसने इस महीने की शुरुआत में सेंट पीटर्सबर्ग में एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाने के लिए किया था, एक बड़ी वजह है जिसने उसे रूस द्वारा हासिल की गई बढ़त को पलटने में मदद की है। हालांकि, समिट से ठीक पहले, ट्रंप ने मीडिया और सोशल नेटवर्क दोनों पर जी-7 नेताओं की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की हिम्मत पर सवाल उठाए और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ को सार्वजनिक रूप से सलाह दी कि वे अमेरिका की आलोचना करने के बजाय 'अपने बिखरते हुए देश पर ध्यान दें'। उन्होंने यह भी धमकी दी थी कि अगर पेरिस, गूगल, एप्पल और अमेज़न जैसी अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनियों पर अपना डिजिटल टैक्स नहीं हटाता है, तो वे फ्रांसीसी वाइन और शैंपेन पर 100 फीसद टैरिफ लगा देंगे। पेरिस अपनी बात पर अड़े रहते हुए कैसे अपनी 'इज्जत बचाएगा', यह अभी साफ़ नहीं है। यह भी उम्मीद है कि ट्रंप अपने सहयोगियों पर ईरान के साथ भविष्य के समझौते से जुड़े खर्चों को बांटने के लिए दबाव डालेंगे। भारी कर्ज में डूबे देशों से ऐसा करने की उम्मीद कैसे की जा सकती है, यह भी उतना ही अनिश्चित है।

अगस्त, 2025 में अलास्का के एंकरेज में ट्रंप ने रूसी नेता के लिए जो रेड कार्पेट बिछाया था, उसका कोई नतीजा नहीं निकला। अब अमेरिकी राष्ट्रपति को आखिरकार अपने यूरोपीय सहयोगियों की उस सलाह पर ध्यान देना चाहिए जिसे वे लगातार दोहराते रहे हैं। उनका हमेशा से यही कहना रहा है कि ताकत का प्रदर्शन ही व्लादिमीर पुतिन को इस विनाशकारी और आक्रामक युद्ध को खत्म करने के लिए मजबूर कर सकता है, एक ऐसा युद्ध जो अब प्रथम विश्व युद्ध से भी ज़्यादा समय तक खिंच चुका है। अमेरिका और ज़्यादातर जी-7 सदस्यों के बीच इतने सारे मुद्दों पर मतभेद हैं, जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा नीतियों से लेकर डिजिटल संप्रभुता तक। ये बयान जारी तो कर देंगे, लेकिन कि एवियन समिट से कोई ऐसा ठोस नतीजा निकलने की उम्मीद कम ही रही। ईरान युद्ध के समय ट्रंप जी-7 के सदस्यों को भरोसे में लेने में नाकाम रहे थे। फ्रांस की बैठक भी लीपापोती ही है। ईरान से छूटे, तो ट्रम्प अपने देश और दुनिया का ध्यान यूक्रेन पर दोबारा शिफ्ट करना चाहते हैं। ईरान से युद्ध में पूरी दुनिया को कितना आर्थिक नुकसान हुआ? यह सवाल जी-7 में आये किसी नेता ने नहीं उठाया। सबके सब ट्रम्प की जी-हुजूरी में लगे रहे। विश्व के चुनींदा नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 समिट में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने कई अहम द्विपक्षीय बैठके कीं। इनमें सबसे खास थी 16 महीनों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी पहली आमने-सामने की मुलाक़ात। इस वास्ते मैक्रों और मेलोनी ने माहौल बनाया था। पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने और क्षेत्र में शांति पहल को आगे बढ़ाने के ट्रंप के प्रयासों की भी सराहना की। ट्रंप ने दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी पर प्रकाश डाला, प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को भी रेखांकित किया। ट्रंप बोले, 'फ्रांस में हमारी कुछ शानदार बैठकें हुईं... यह एक जी-7 है। और फिर हमारे पास एक जी20 आ रहा है। हम व्यापार सौदे कर रहे हैं... संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच बहुत-सी चीजें हो रही हैं। हमारे बीच हमेशा अच्छे रिश्ते रहे हैं। पीएम मोदी 'शांत', और 'कूल' स्वभाव के हैं।' ट्रंप के साथ मोदी की इस बातचीत को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जाना चाहिए।

महंगाई के दौर में कितनी सस्ताई

इन दिनों में महंगाई का शोर इतना है जनाब कि बेचारी सस्ताई की बात कोई सुन ही नहीं रहा है। महंगाई के सामने सस्ताई का हाल वैसा बिल्कुल भी नहीं है, जैसे झूठ के सामने सच का हो जाता है या जैसे दबंग के सामने कमजोर का हो जाता है। सस्ताई भी अपनी पूरी ताकत के साथ महंगाई के सामने डटी हुई है और लोग मान भी रहे हैं कि हां भाई, मुकाबला तो कांटे का है, लेकिन यह कुछ-कुछ वैसा ही मुकाबला है जैसे किसी लहीम-सहीम पहलवान के सामने कोई सींकिया पहलवान अपनी जिद में डटकर खड़ा हो जाए। अब यह जिद देखिए साहब कि जब यह कहा जा रहा है कि हमारे देश में चुनाव बड़े महंगे हो गए हैं और कि जब तक करोड़ों क्या, हजार करोड़ न हों, कोई चुनाव लड़ ही नहीं सकता। उसी दौर में बंगाल में मोदीजी ने दस रुपये की झालमुड़ी खाकर अपनी पार्टी को चुनाव जितवा दिया। इससे ज्यादा सस्ताई और क्या आएगी बताइए। रही भाजपा की बात, तो भैया चित्त भी उसकी और पट भी उसकी। करोड़ों-अरबों का चंदा भी उसका और दस रुपये की झालमुड़ी भी उसकी। अब आगे देखिए लोग कह रहे हैं कि जनाब यह ऐसा दौर है कि जब तक हजार-पांच सौ करोड़ अंटी में न हों, तब तक कोई राजनीतिक पार्टी बना ही नहीं सकता। लेकिन बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक फ्री में पार्टी बना रहे हैं। वहां एक दिन विधायक इकट्ठे होते हैं और घोषणा कर देते हैं कि हम अलग पार्टी बना रहे हैं और उनकी पार्टी बन भी जाती है। फिर एक दिन सांसद कहते हैं कि हम अलग पार्टी बना रहे हैं और पार्टी बन भी जाती है। जब इस दौर में हर कोई यह स्वीकार कर रहा है कि भैया घोड़ामंडी में सांसदों और विधायकों की कीमत सौ-पचास करोड़ से कम कतई नहीं होती, उस दौर में तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक फ्री में मिल रहे हैं। ले लो कोई भी ले लो, ममता दीदी को छोड़कर। सस्ताई की हालत तो यह है जनाब कि एक रुपये की टॉफी से भी सफल कूटनीति की जा सकती है। इसके लिए करोड़ों रुपये फूंकने की कतई ही जरूरत नहीं। बस शर्त यही है कि वह टॉफी मैलोडी हो और सामने मैलोनी हों। बल्कि इधर तो शिक्षक भी कौड़ियों के भाव मिलने लगे हैं। और शिक्षक भी कौन एकदम स्टार शिक्षक-आईएएस और आईपीएस बनाने वाले। जी यह बात कुछ पत्रकारों ने बताई। जाहिर है यह राज खोलने वाले पत्रकार भी कोई छोटे-मोटे स्टार नहीं है। इस पर शिक्षकों ने पलटकर पत्रकारों से कहा कि अगर हम कौड़ी के हैं तो तुम फूटी कौड़ी के हो। हालांकि, वे एक-दूसरे पर मुकदमे करोड़ों की मानहानि के ही कर रहे हैं। पर सस्ताई तो है न जी। नहीं?

– सहीराम

बंधक मन और फुर्सत

जब से आपने काम करना शुरू किया है, आपका दिमाग सालों से ओवरटाइम कर रहा है, तब भी जब आप छुट्टी पर होते हैं। ज़्यादातर लोगों के लिए काम के बाद एक नॉर्मल शाम कुछ ऐसी होती है- आपके बच्चे बातें कर रहे होते हैं। आपका पार्टनर अपने दिन के बारे में बता रहा होता है। आप सिर हिला रहे होते हैं, लेकिन आपका दिमाग अभी भी उस मीटिंग रूम में होता है। परिवार के साथ डिनर कर रहे हैं, मगर मन ही मन अपने मैनेजर की कही बात दोहरा रहे हैं। छुट्टी पर गए हैं परंतु व्हाट्सएप और ईमेल चेक करने से बाज नहीं आते, स्वयं से ही बहाना बनाते हैं कि 'बस ज़रा-सा ही तो देखा है' का बहाना। सोने की कोशिश करते हैं परंतु मन ही मन कल की सोच रहे होते हैं। बाहर से, आप ठीक दिखते हैं। आपके पास नौकरी है, घर है, फ़ोन है, ज़िंदगी 'ठीक-ठाक' दिखती है। मगर अंदर, आपका नर्वस सिस्टम अपना स्विच ऑफ़ करना भूल गया है। एक ऐसी कीमत है जो आपकी पेस्लिप पर कभी नहीं दिखती। आपका ध्यान। आपकी नींद। जिन लोगों से आप प्यार करते हैं उनके साथ आपका सब्र। बिना कमाए खुशी महसूस करने की आपकी काबिलियत। इसलिए आप शांत इशारों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। जिस तरह आप छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ जाते हैं। जिस तरह आपका शरीर कभी हल्का महसूस नहीं करता, रविवार दोपहर को भी नहीं। एक समय पर, यह काम के बारे में होना बंद हो जाता है। यह एक नर्वस सिस्टम बन जाता है जिसे अब याद नहीं रहता कि जब कुछ भी गलत न हो तो सुरक्षित कैसे महसूस किया जाए। दरअसल, यह प्रोडक्टिविटी नहीं है। यह क्रोनिक सर्वाइवल है। वर्ष 2025 में, पूरे भारत में 500 से ज़्यादा लोग जो अलग-अलग लेवल पर इसी तरह के रूटीन से गुज़र रहे थे, ऐसे लोगों को लेकर एक किताब आई है। इसके ज़रिए एक पैटर्न देखा गया कि अलग-अलग वेतन, अलग-अलग शहर, अलग-अलग कहानियां हैं सबकी, परंतु बदलाव के लिए सभी लालायित हैं। दिमाग 24 गुणा सात काम कर रहा है, और शरीर को अब घर लौटने की आदत नहीं रही। अच्छी खबर यह है कि आपका सिस्टम इसे फिर से सीख सकता है। आपको दिन में सिर्फ़ पांच से दस मिनट, छोटी-छोटी रेगुलर आदतें चाहिए, और ज़िंदगी अंदर से बाहर तक अलग लगने लगती है। सबसे अच्छी बात यह है कि यह सब तब हो सकता है जब आप रिलैक्स रहें।

– अलकनंदा सिंह

अदालती फैसले के सामाजिक संकेतों को समझें

दिनेश भारद्वाज

कुछ फैसले अदालतों के रिकॉर्ड में दर्ज होकर खत्म नहीं होते। वे समाज की सोच में प्रवेश करते हैं और उन मान्यताओं को चुनौती देते हैं जिन्हें लंबे समय से सामान्य मान लिया गया हो। सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला, जिसमें सड़क दुर्घटना में एक गृहिणी की मृत्यु के मामले में घरेलू श्रम के आर्थिक मूल्य को स्वीकार किया गया, ऐसा ही फैसला है। पहली नजर में यह मामला महज मुआवजे के निर्धारण का लग सकता है, लेकिन इसकी असली गूंज उससे कहीं आगे जाती है। यह उस सामाजिक सोच पर सवाल उठाता है, जिसने घर के भीतर होने वाले महिलाओं के श्रम को प्रतिष्ठा नहीं दी। अदालत ने माना कि गृहिणी सही मायने में 'होममेकर' है। उसका श्रम उत्पादक है, उसका योगदान वास्तविक है और उसकी अनुपस्थिति का असर केवल भावनात्मक नहीं, आर्थिक और संरचनात्मक भी होता है। सवाल यह नहीं है कि अदालत ने घरेलू श्रम का आर्थिक मूल्य किस आधार पर तय किया। प्रश्न यह है कि जिस श्रम पर करोड़ों परिवार टिके हुए हैं, उसे श्रम मानने में हमें इतना समय क्यों लगा। भारत में परिवार को एक संस्था के रूप में देखा गया है। उसकी स्थिरता, उसकी सामाजिक भूमिका और सांस्कृतिक महत्व पर लगातार बात होती रही है। लेकिन इस स्थिरता को बनाए रखने वाले श्रम पर उतनी गंभीर चर्चा नहीं हुई। घर चलाना केवल खाना बनाने तक सीमित नहीं होता। यह समय प्रबंधन, संसाधनों का संतुलन, बच्चों की परवरिश, बुजुर्गों की देखभाल, सामाजिक संबंधों का निर्वाह और परिवार की भावनात्मक संरचना को संभालने की निरंतर प्रक्रिया है। घर के भीतर होने वाला यह श्रम इसलिए अदृश्य हो जाता है क्योंकि वह बाजार के बाहर होता है। जिस काम के लिए बाहर किसी को नियुक्त किया जाए तो उसका भुगतान तय होता है, वही काम जब घर के भीतर किया जाता है तो उसे जिम्मेदारी, प्रेम या संस्कार का विस्तार मान लिया जाता है। यहां समाज को अपने भीतर झांकने की जरूरत है। हमारे यहां लंबे समय तक एक सामान्य वाक्य चलता रहा, 'वह काम नहीं करती, घर संभालती है।' कथन के भीतर एक गहरी सामाजिक संरचना छिपी है। सम्मान और मूल्य एक चीज नहीं हैं। सम्मान भावनात्मक हो सकता है, लेकिन मूल्य सामाजिक स्वीकृति का आधार बनता है। जिस योगदान को मूल्य नहीं मिलता, धीरे-धीरे उसकी भूमिका को स्वाभाविक मान लिया जाता है। फिर उसके पीछे का श्रम, समय और कौशल दिखाई देना बंद हो जाता है। विडंबना यह है कि परिवार की पूरी व्यवस्था को संभालने वाला व्यक्ति अक्सर आर्थिक परिभाषाओं में 'निर्भर' माना जाता रहा। यह विरोधाभास सोच का भी है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इसी सोच को चुनौती देता है। निस्संदेह, अदालत के फैसले ने नुकसान की परिभाषा को नया अर्थ दिया। अब तक जब किसी नौकरीपेशा व्यक्ति की मृत्यु होती थी तो उसकी आय को परिवार की आर्थिक क्षति का आधार माना जाता था। लेकिन गृहिणी की मृत्यु के मामलों में यह तर्क दिया जाता रहा है कि उसकी प्रत्यक्ष आय नहीं थी, इसलिए आर्थिक नुकसान सीमित माना जाता है। वास्तव में किसी होममेकर की अनुपस्थिति केवल एक सदस्य की अनुपस्थिति नहीं होती। उसके साथ घर की पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है। बच्चों की दिनचर्या बदलती है, देखभाल की प्रणाली बदलती है, घरेलू खर्च का स्वरूप बदलता है और परिवार की कार्यक्षमता पर असर पड़ता है। यह फैसला बताता है कि हर वह काम जो वेतन में नहीं बदलता, वह मूल्यहीन नहीं होता। हालांकि, इस फैसले को महिलाओं के लिए वेतन की बहस तक सीमित करना भी उचित नहीं होगा। आज जब अर्थव्यवस्था, उत्पादकता और कार्यबल भागीदारी जैसे विषय चर्चा में हैं, तब यह स्वीकार करना जरूरी है कि सामाजिक पुनरुत्पादन, यानी परिवार का निर्माण और संचालन भी किसी अर्थव्यवस्था की बुनियादी शर्त है। घर मनुष्य निर्माण की पहली संस्था होता है। यदि उस संस्था को चलाने वाले श्रम को लगातार अदृश्य रखा जाएगा तो बराबरी और सम्मान पर आधारित समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। यह फैसला समाज को संबोधित करता है कि क्या हम अपने घरों में श्रम की बराबरी को समझते हैं? इन प्रश्नों के उत्तर अदालत नहीं दे सकती। समाज को खुद तय करना होगा कि वह इस फैसले को केवल मुआवजे के मामले का निर्णय मानता है या अपने समय के एक महत्वपूर्ण सामाजिक संकेत की तरह पढ़ता है। क्योंकि किसी होममेकर का मूल्य उस दिन तय नहीं होना चाहिए जब उसकी अनुपस्थिति दर्ज की जाए। उसका मूल्य उस दिन पहचाना जाना चाहिए जब वह हर दिन बिना किसी पदनाम, वेतन और औपचारिक पहचान के घर को चलाने के लिए उपस्थित होती है। किसी समाज की परिपक्वता इस बात से नहीं मापी जाती कि वह श्रम का कितना भुगतान करता है। यह फैसला उन महिलाओं के लिए सामाजिक स्वीकृति है, जिनकी उपस्थिति से घर केवल चलता नहीं बल्कि आकार लेता है। और शायद इसकी सबसे बड़ी शक्ति भी यही है। अदालत ने अपने हिस्से का निर्णय दे दिया है। अब समाज को अपने हिस्से का उत्तर देना है।

न्याय के तराज़ू पर मशीनों की लाचारी

डॉ. सुधीर कुमार

लेखक कुरुक्षेत्र वि.वि. के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं

हाल ही में चर्चित हस्तियों और मीडिया जगत में 'नार्को टेस्ट' की मांग को लेकर छिड़ी बहस ने तकनीक की विश्वसनीयता पर फिर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। रौशन आनंद द्वारा खान सर (उर्फ फैजल खान) के संदर्भ में की गई नार्को टेस्ट की मांग, जन-मानस के उस भ्रम को दर्शाती है कि तकनीक ही अपराध का अंतिम समाधान है। लेकिन, न्याय के तराज़ू पर क्या मशीनें वास्तव में मानवीय सत्य को तोलने में सक्षम हैं?

हाल के वर्षों में निचली अदालतों ने हाई-प्रोफाइल मामलों में पॉलीग्राफ टेस्ट की अनुमति देने में अत्यधिक सावधानी बरती है, जिसमें 'श्रद्धा वाकर हत्याकांड' भी चर्चा का विषय रहा। कानूनी जानकारों और अदालतों का स्पष्ट मत है कि पॉलीग्राफ से प्राप्त मशीनी डेटा 'साक्ष्य' नहीं, बल्कि केवल जांच को दिशा देने वाली 'सहायक सामग्री' है। भारत के 'आरुषि तलवार हत्याकांड' ने यह सिद्ध किया कि ऐसे परीक्षण वैज्ञानिक रूप से निर्णायक नहीं होते और इनके विरोधाभासी परिणाम जांच की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा सकते हैं। सच कड़वा होता है, लेकिन झूठ का नकाब ओढ़ना आसान है। अक्सर 'पॉलीग्राफ' को झूठ पकड़ने का अचूक हथियार माना जाता है, जबकि कानून और मनोविज्ञान के नजरिए से यह अत्यंत विवादास्पद है। मनोविज्ञान के अनुसार झूठ पकड़ना विज्ञान नहीं बल्कि एक कला है; फिल्मों में पसीना आना या नज़रें चुराना झूठ की निशानी माना जाता है, पर असल जीवन में यह घातक हो सकता है। मनोविज्ञान में इसे 'ओथेलो एरर' कहा जाता है – जहां एक निर्दोष व्यक्ति का स्वाभाविक डर, पसीना आना या घबराहट जांचकर्ताओं को 'झूठ' का प्रमाण प्रतीत होता है। याद रहे, मशीनें केवल शारीरिक तनाव को मापती हैं, मानवीय संवेदनाओं या सत्य को नहीं। 'कॉग्निटिव लोड' की पहचान केवल एक प्रशिक्षित विशेषज्ञ का काम है, किसी जादुई मशीन का नहीं। ठीक यही स्थिति पूछताछ के दौरान होती है; एक निर्दोष व्यक्ति भी पुलिस के माहौल, पूछताछ के दबाव या अपनी प्रतिष्ठा खोने के डर से घबरा सकता है, पसीना छोड़ सकता है या उसकी हृदय गति बढ़ सकती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में एल्ड्रिच एम्स (सीआईए अधिकारी एवं सोवियत जासूस) और 'बीटीके किलर' (डेनिस राडर) जैसे मामले यह स्पष्ट करते हैं कि पॉलीग्राफ परीक्षण पूरी तरह विश्वसनीय नहीं हैं। एल्ड्रिच एम्स जैसे जासूसों ने तनाव नियंत्रित कर पॉलीग्राफ को वर्षों तक

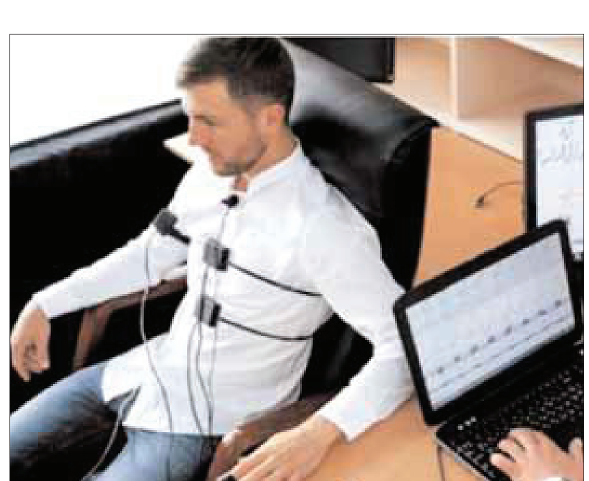

छला, जबकि बीटीके किलर जैसे अपराधियों को डीएनए और डिजिटल फॉरेंसिक जैसे ठोस साक्ष्यों ने ही बेनकाब किया। स्पष्ट है कि पॉलीग्राफ केवल एक 'संभावना' जता सकता है, निश्चितता नहीं। प्रशिक्षित अपराधी अपनी शारीरिक प्रतिक्रियाओं पर काबू पाकर इन मशीनों को आसानी से विफल कर सकते हैं, अतः ये तकनीकें कभी भी सत्य का अंतिम पैमाना नहीं हो सकतीं।

सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य (2010) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पॉलीग्राफ, नार्को-एनालिसिस और ब्रेन मैपिंग जैसे परीक्षण व्यक्ति की सहमति के बिना नहीं किए जा सकते। कोर्ट ने इसे निजता के अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 20(3) के तहत प्राप्त 'आत्म-दोषारोपण के विरुद्ध अधिकार' का उल्लंघन माना है। इस मौलिक अधिकार का अर्थ है कि किसी भी व्यक्ति को स्वयं के विरुद्ध गवाह बनने या खुद को दोषी ठहराने वाले बयान देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कानूनन इन परीक्षणों के परिणाम सीधे 'साक्ष्य' नहीं माने जा सकते; इन्हें केवल जांच में दिशा देने वाले एक 'सुराग' के रूप में ही इस्तेमाल किया जा सकता है; विशेषकर डिजिटल युग में, जहां व्यक्तिगत डेटा और मस्तिष्क की निजता पर बड़ा संकट है, नार्को-एनालिसिस जैसे परीक्षणों को विज्ञान की आड़ में अनैतिक प्रयोग बनने से रोकना, न्यायपालिका की सर्वोपरि जिम्मेदारी है।

कनाडा के सुप्रीम कोर्ट ने इसे भ्रमित करने वाला मानकर खारिज किया है, तो इस्राइल में इसे दीवानी मामलों में अमान्य करार दिया गया है। यूरोप में इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन माना जाता है, जबकि अमेरिका और जापान जैसे देशों में इसकी भूमिका बेहद सीमित है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इन परीक्षणों में वैधता का अभाव है, जिसके कारण इन्हें अक्सर 'छद्म विज्ञान' की श्रेणी में रखा जाता है।

पॉलीग्राफ मशीनों की बड़ी सीमा यह है कि वे 'सच' नहीं, केवल हृदय गति जैसे 'शारीरिक तनाव' को मापती हैं, जिसका कारण घबराहट या पुरानी यादें भी हो सकती हैं। यह एक 'फॉल्ट डिटेक्टर' है, न कि 'ट्रुथ डिटेक्टर', क्योंकि प्रशिक्षित अपराधी आसानी से अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित कर इसे विफल कर सकते हैं। अतः वैज्ञानिक और कानूनी दृष्टि से ये मशीनें सत्य का अंतिम पैमाना नहीं हैं; इसके विपरीत, एक अनुभवी विशेषज्ञ ही अपराधी के उन सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक संकेतों और व्यावहारिक बारीकियों को पकड़ सकता है, जिन्हें छिपाना लगभग असंभव होता है।

मशीनों पर आंख मूंदकर विश्वास करना न्याय की मूल भावना के लिए खतरनाक है। हालांकि तकनीक जांच में एक उपयोगी 'सहायक' हो सकती है, लेकिन मशीनें मानवीय संवेदनाओं और जटिल परिस्थितियों को समझने में अक्षम हैं, इसलिए उन्हें 'अंतिम निर्णायक' नहीं माना जाना चाहिए। न्याय व्यवस्था में सुधार के लिए हमें फॉरेंसिक मनोविज्ञान और 'व्यवहार विश्लेषण' पर अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। जब जांच में मशीनी डेटा के साथ अनुभवी मनोवैज्ञानिक का विवेक जुड़ता है, तभी परिणाम अधिक विश्वसनीय, तर्कसंगत और मानवीय होते हैं।

यह समय जांच की मानवीय प्रणाली को उन्नत करने का है। यदि हम न्याय को केवल एक 'अल्गोरिद्म' के हवाले कर देंगे, तो वह दिन दूर नहीं जब 'तथ्य' तो सुरक्षित रहेंगे, लेकिन 'न्याय' अपनी आत्मा खो देगा। एक मशीन यह तो बता सकती है कि अपराधी का हृदय कब और कितनी तेज़ धड़का, लेकिन केवल एक विवेकपूर्ण मस्तिष्क ही यह तय कर सकता है कि उस धड़कन के पीछे अपराध की ठंडी साजिश थी या मासूमियत का भय।

संक्षिप्त समाचार

कल्पना अध्यक्ष व मंजू मानसेवी सचिव बनीं

ग्वालियर। लॉयंस क्लब ग्वालियर आराध्या द्वारा नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें कल्पना प्रदीप को अध्यक्ष, मंजू अग्रवाल को मानसेवी सचिव और गीता सूर्यवंशी को कोषाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया।

मुंबई के डॉ. वशिष्ट ने अपोलो में दिया परामर्श

ग्वालियर। अपोलो हॉस्पिटल मुंबई के वरिष्ठ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. पुरुषोत्तम वशिष्ट 21 जून को आरजेएन अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल में मरीजों को परामर्श देंगे। 25 वर्षों के अनुभव वाले डॉ. वशिष्ट लिवर सिरोसिस, पीलिया, हेपेटाइटिस–बी, गैस, उल्टी, खूनी उल्टी तथा मल में खून आने जैसी समस्याओं से पीड़ित मरीजों का परीक्षण करेंगे। परामर्श का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहे।

संगीत निशा कार्यक्रम संपन्न

ग्वालियर। नवगठित मराठी भाषी मित्र संगीत समूह की संगीत निशा 'चन्द्र आहे साक्षीला' का आयोजन रविवार शाम 5 बजे से होटल प्रभा में किया जाएगा। इस कार्यक्रम मे मराठी समाज के चुनिंदा 25 श्रेष्ठ गायक कलाकार मराठी भजन अभंग गीत प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा मराठी नृत्य लावणी की प्रस्तुति भी दी गयी। यह जानकारी समूह के एडमिन रमेश घोड़के ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में अविनाश महाजनी और स्मिता महाजनी अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।

चतुर्भुजनाथ महाराज का पाटोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

कसेरा ओली स्थित प्राचीन श्री चतुर्भुजनाथ जी महाराज मंदिर में भगवान श्री चतुर्भुजनाथ का 174वां पाटोत्सव एवं अवतरण दिवस समारोह गत दिवस श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं पंचायत सदस्यों ने सहभागिता की। प्रातःकाल भगवान श्री चतुर्भुजनाथ का विधि-विधान से महा दुग्धाभिषेक एवं पंचामृत स्नान कराया गया। इसके पश्चात ठाकुर जी का विशेष श्रृंगार कर भोग-अर्पित किया गया। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में रामदेव दानी, रामबाबू दूदावत, अरविंद दूदावत, डॉ. एनडी वैश्य, राधाकृष्ण खेतान आदि उपस्थित रहे।

गजानन महराज मंदिर पर योग दिवस कार्यक्रम संपन्न

एबीरोड स्थित संत गजानन महाराज मंदिर पर रविवार सुबह 7 बजे सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे ने दी।

अमरनाथ यात्रा से पहले योग का संकल्पः ग्वालियर दुर्ग पर 'बम बम भोले सेवा दल' ने बढ़ाई श्रद्धालुओं की शक्ति

पवित्र श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 की तैयारियों के बीच ग्वालियर के श्रद्धालुओं में उत्साह चरम पर है। बाबा बर्फानी के दर्शन हेतु जाने वाले शिवभक्तों की शारीरिक एवं मानसिक क्षमता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 'बम बम भोले सेवा दल' ग्वालियर द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर ऐतिहासिक ग्वालियर दुर्ग परिसर में विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। दल के मुख्य आयोजक डॉ. संजय कुमार पांडेय के नेतृत्व में आयोजित इस योग कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योग एवं प्राणायाम के माध्यम से आगामी यात्रा के लिए स्वयं को तैयार किया। डॉ. पांडेय ने बताया कि श्री अमरनाथ यात्रा ऊंचे पर्वतीय मार्गों, कम ऑक्सीजन और कठिन चढ़ाई वाली परिस्थितियों से होकर गुजरती है। ऐसे में यात्रियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य और फेफड़ों की क्षमता अत्यंत आवश्यक होती है। योग सत्र के दौरान श्रद्धालुओं ने सूर्य नमस्कार, वीरभद्रासन, ताड़ासन सहित कई उपयोगी योगासनों का अभ्यास किया, जो शरीर की मजबूती, संतुलन एवं सहनशक्ति बढ़ाने में सहायक हैं। वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में ऑक्सीजन की कमी से निपटने के लिए कपालभाति एवं अनुलोम-विलोम प्राणायाम का विशेष अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर आनंद पचौरी, सुभाष शर्मा, राजीव शर्मा, निरुपमा शर्मा, राकेश मिश्रा, प्रवीण दौदेरिया, शैंकी अग्रवाल, किशन पाल, पंकज जैसवाल, योगेश बंसल, रामवरण सिंह, आनंद शर्मा, हरि सिंह सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि बम बम भोले सेवा दल इस वर्ष अपनी 26वीं अमरनाथ यात्रा के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। दल के सदस्य 7 जुलाई 2026 को ग्वालियर से प्रस्थान करेंगे तथा 16 जुलाई 2026 को यात्रा पूर्ण कर वापस लौटेंगे।

महेश नवमी पर सुंदरकाण्ड का पाठ

माहेश्वरी समाज द्वारा महेश नवमी का पर्व धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। 22 जून को वृहत्तर माहेश्वरी समाज द्वारा भगवान महेश की विशाल शोभा यात्रा मुख्य मार्गों से निकाली जाएगी। आयोजन समिति के कमल बांगड़ ने बताया कि 7 दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को दीन दयाल सिटी मॉल में सायं 6 बजे पं. अंकित शर्मा द्वारा संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ किया गया। इस कार्यक्रम के यजमान डॉ. कला एवं डॉ. पुरूषोत्तम जाजू रहे। आरती तृप्ती पंकज भूतड़ा ने की।

15 माह के मासूम की सांस नली से निकाला मूंगफली का दाना

■ब्रोंकोस्कोपी से सहारा अस्पताल में सफल सर्जरी

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

सहारा अस्पताल महलगांव सिटी सेंटर में चिकित्सकों ने 15 माह के एक मासूम बच्चे की श्वास नली में फंसे मूंगफली के दाने को सफलतापूर्वक निकालकर उसकी जान बचाई। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले के तालबेहट निवासी माधव पुत्र अखिलेश को गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था।

सहारा हॉस्पिटल के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. एएस भल्ला ने बताया कि बच्चे की श्वास नली में तीन-चार दिन से मूंगफली का दाना फंसा हुआ था, जिससे उसे सांस लेने में परेशानी हो रही थी। झांसी के एक अस्पताल से रेफर होकर आए बच्चे को तत्काल ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया, जहां ब्रोंकोस्कोपी प्रक्रिया के माध्यम से दाना सफलतापूर्वक निकाल लिया गया। डॉ. भल्ला ने बताया कि छोटे बच्चों द्वारा अनजाने में वस्तुएं मुंह में डाल लेने से ऐसी घटनाएं हो जाती हैं, जो कई बार जानलेवा साबित हो सकती हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की विशेष निगरानी रखने की अपील की। सर्जरी के बाद बच्चे की हालत में सुधार है और वह सुरक्षित है।

किसानों को दी आधुनिक तकनीकों की जानकारी

ग्वालियर। प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डबरा विकासखंड के ग्राम बिलौआ स्थित प्राण बाग फार्म हाउस पर किसानों की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावला सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। उप संचालक कृषि भानु प्रकाश शर्मा एवं आत्मा योजना प्रभारी आरबीएस जाटव ने जैविक खेती की तकनीकी जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजीव सिंह ने आधुनिक खेती के तरीकों पर मार्गदर्शन किया। अतिथियों ने किसानों से जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जैविक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया गया।

शासकीय वकील को बिना विभागीय जांच हटाना गलत

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ ने शासकीय वकीलों की नियुक्तियों और उनकी सेवा समाप्ति को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति आनंद सिंह बहरावत की एकलपीठ ने शिवपुरी जिला न्यायालय में पदस्थ अतिरिक्त लोक अभियोजक मनोज सिंह रघुवंशी को सेवा से हटाने के सरकारी आदेश को पूरी तरह से अवैध और मनमाना मानते हुए खारिज कर दिया है। न्यायालय ने आदेश दिया है कि याचिकाकर्ता को तत्काल प्रभाव से सेवा में बहाल किया जाए।

क्या था मामला ?

याचिकाकर्ता मनोज सिंह रघुवंशी को 17 जून 2021 को जिला न्यायालय शिवपुरी में अतिरिक्त लोक अभियोजक नियुक्त किया गया था। वे पुलिस थाना इंदार के एक चर्चित हत्या के मामले (आईपीसी की धारा 302 आदि) में शासन की ओर से पैरवी कर रहे थे। सुनवाई के दौरान एक चश्मदीद गवाह का नाम गवाहों की सूची में शामिल होने से छूट गया था। हालांकि, भूल का अहसास होते ही न्यायालय को सूचित कर गवाहों के बयान दर्ज करवा दिए गए थे। इस मामले में विधि विभाग के सचिव द्वारा प्राथमिक जांच कराई गई और 13 मार्च 2025 को एक संक्षिप्त आदेश जारी कर याचिकाकर्ता को ÷गंभीर लापरवाही÷ के आरोप में पदमुक्त कर दिया गया। इस एकतरफा कार्रवाई के खिलाफ अधिवक्ता सौम्य पवैया के माध्यम से उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई। न्यायालय ने अपने 15 पन्नों के विस्तृत आदेश में शासन की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल उठाए और सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला दिया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जब किसी आदेश में 'गंभीर लापरवाही' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है, तो वह आदेश कर्मचारी के भविष्य पर दाग लगाता है। कानून का स्थापित सिद्धांत है कि ऐसा कोई भी कलंकित आदेश बिना नियमित विभागीय जांच और गवाहों के क्रॉस-एग्जामिनेशन के बिना पारित नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने पाया कि याचिकाकर्ता को पक्ष रखने का कोई उचित अवसर नहीं दिया गया और न ही कोई चार्जशीट जारी की गई।प्राथमिक जांच रिपोर्ट को ही अंतिम मानकर सीधे बर्खास्तगी का आदेश थमा देना पूरी तरह से गलत है।

स्वस्थ जीवन जीने की कला है योग

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्त्री शक्ति मंच द्वारा नई सड़क स्थित राष्ट्रोत्थान न्यास भवन में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रोफेशनल ब्यूटीशियन प्रशिक्षण की प्रतिभागी बहनों एवं बालिकाओं ने भाग लिया। संस्थापक हनी शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को योग के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं सकारात्मक जीवनशैली के महत्व की जानकारी दी गई। अध्यक्ष ऋतु लक्षकार ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की एक कला है। इस मौके पर प्रीती सोनी, संगीता पांडे, शालू दुबे आदि उपस्थित रहीं।

यातायात पुलिस ने खोया बैग मालिक को लौटाया

■बैग में साढ़े तीन हजार रुपए सोने का पैंडल व चेन रखी थी

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

यातायात पुलिस की तत्परता से खोया हुआ बैग मिलने पर व्यक्ति ने राहत की सांस ली। बैग में साढ़े तीन हजार रूपए से ज्यादा नकदी और सोने के गहने रखे हुए थे। मालिक ने बैग मिलने पर पुलिस की सराहना की। भिंड, गोरमी के ग्राम हसनपुरा निवासरी अनूप सिंह नरवारिया शनिवार को शहर में आए थे, जिनका एक बैग दीनदयाल नगर चौराहा क्षेत्र के पास कहीं गिर गया था। बैग खोने पर अनूप ने ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलने पर थाना प्रभारी यातायात गोला का मंदिर सूबेदार अभिषेक रघुवंशी को अवगत कराया गया। थाना प्रभारी यातायात गोला का मंदिर द्वारा ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों को उक्त बैग की पतारसी हेतु लगाया गया। सहायक उपनिरीक्षक भानु प्रताप सिंह गुर्जर, आरक्षक जोगेंद्र सिंह, मोहन सिंह एवं सैनिक विजय सिंह की तत्परता से आसपास के क्षेत्र में खोजबीन प्रारंभ की गई। पुलिस टीम ने गंभीरता एवं सजगता के साथ तलाश करते हुए कुछ ही समय में बैग को खोज निकाला तथा उसमें रखी नगदी एवं सोने के आभूषण सुरक्षित पाए गए। इसके पश्चात पुलिस टीम द्वारा बैग एवं उसमें रखे समस्त सामान का सत्यापन कर उसे उसके वास्तविक मालिक अनूप सिंह नरवारिया को सुपुर्द किया गया। अपना खोया हुआ सामान सुरक्षित वापस मिलने पर फरियादी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए ग्वालियर पुलिस की त्वरित, ईमानदार एवं जनहितैषी कार्रवाई के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क सशक्तिकरण व सहायता शिविर आज से

ग्वालियर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सेवा प्रकल्प स्टूडेंट्स फॉर सेवा द्वारा दिव्यांगजनों के लिए 22 से 25 जून तक चार दिवसीय निःशुल्क दिव्यांग सशक्तिकरण एवं सहायता शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर जीवाजी विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस, सिटी सेंटर, गोविंदपुरी में प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक लगेगा। शिविर में जरूरतमंद दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं विभिन्न सहायक उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। आयोजकों ने दिव्यांगजन एवं उनके परिजनों से शिविर में पहुंचकर इसका लाभ उठाने की अपील की है।

मर्सी होम के 50 बच्चों को मिली नई ड्रेस समाजसेवियों ने बढ़ाया सहयोग का हाथ

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

सामाजिक सरोकार के तहत मर्सी होम की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कैट संस्था के जिला अध्यक्ष रवि गुप्ता ने शनिवार को मर्सी होम पहुंचकर यहां रह रहे 50 बच्चों को नई ड्रेस भेंट की। इस अवसर पर जिलाधीश रुचिका चौहान, कैट के राष्ट्रीय महामंत्री भूपेन्द्र जैन, हिमांशु, डॉ. सौरभ खण्डेलवाल तथा मर्सी होम के चिकित्सक उपस्थित रहे। जिलाधीश रुचिका चौहान ने कहा कि मर्सी होम में बच्चों को बेहतर वातावरण और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन और समाज के विभिन्न वर्ग मिलकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने रवि गुप्ता की पहल को अनुकरणीय बताते हुए समाज के अन्य लोगों से भी ऐसे कार्यों में आगे आने का आह्वान किया। इस दौरान जिलाधीश ने मर्सी होम का निरीक्षण कर लाइटिंग व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए तथा बच्चों के लिए तैयार हो रहे भोजन की गुणवत्ता भी जांची।

महाराज बाड़ा की पार्वती मार्केट में भीषण आग, कई दुकानें चपेट में, लाखों का नुकसान

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

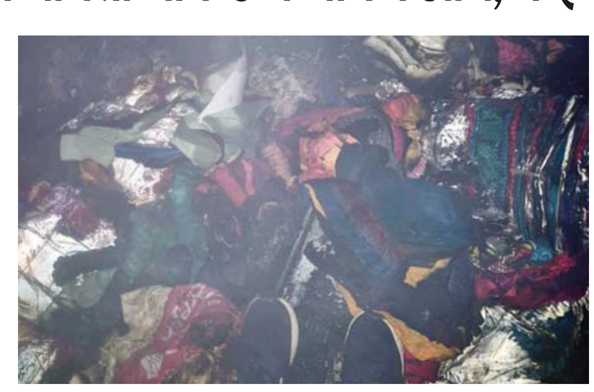

शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र महाराज बाड़ा स्थित शासकीय छापाखाना परिसर के सामने माधवगंज की पार्वती मार्केट में शनिवार सुबह करीब 5:30 बजे भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 12 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की लगभग आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने स्थानीय व्यापारियों की मदद से करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो आसपास की अन्य दुकानें भी इसकी चपेट में आ सकती थीं। आग में सबसे अधिक नुकसान पार्वती रेडीमेड गारमेंट सहित अन्य कपड़ों की दुकानों को हुआ। विपुल कलेक्शन के संचालक संजय ने बताया कि उनकी दुकान में रखा लाखों रुपए का माल जलकर राख हो गया। उन्होंने अकेले अपनी दुकान में करीब 5 से 6 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान बताया है। अन्य दुकानदारों का भी लाखों रुपए का सामान आग में नष्ट होने की आशंका है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए दो थाना क्षेत्रों का पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र को घेरकर लोगों की आवाजाही नियंत्रित की, ताकि राहत और बचाव कार्य में कोई बाधा न आए। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि कुछ लोगों ने मार्केट के आसपास नशेड़ियों की गतिविधियों पर भी संदेह जताया है। फिलहाल पुलिस और संबंधित विभाग आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा प्रभावित दुकानों में हुए नुकसान का आंकलन कराया जा रहा है।

दिल्ली में नहीं मिला उपचार, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में किया जटिल ऑपरेशन

लिवर की नसों में फंसे ट्यूमर को सर्जरी से निकाला, किशोरी को मिली नई जिंदगी

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के चिकित्सकों ने एक बेहद जटिल और जोखिमपूर्ण सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर 17 वर्षीय किशोरी को नया जीवन दिया है। लिवर के भीतर मुख्य रक्त वाहिनियों के बीच उलझे ट्यूमर को लगभग 10 घंटे तक चली सर्जरी के बाद सुरक्षित निकाल लिया गया। ऑपरेशन की सफलता के बाद किशोरी की स्थिति सामान्य है और वह तेजी से स्वस्थ हो रही है।

जानकारी के अनुसार दतिया निवासी 17 वर्षीय देविका (परिवर्तित नाम) पिछले एक वर्ष से पेट दर्द की गंभीर समस्या से जूझ रही थी। दर्द लगातार बढ़ता जा रहा था, जिससे उसका सामान्य जीवन प्रभावित हो गया था। परिजन बेहतर उपचार की उम्मीद में उसे दिल्ली के एम्स अस्पताल भी लेकर गए, लेकिन वहां मरीजों की अधिक संख्या और लंबी प्रतीक्षा सूची के कारण समय पर उपचार संभव नहीं हो सका। इसके बाद परिवार ने ग्वालियर के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का रुख किया।

सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में जांच के दौरान चिकित्सकों को पता चला कि किशोरी के लिवर के बाएं हिस्से में बड़ा ट्यूमर विकसित हो चुका है। ट्यूमर की स्थिति अत्यंत जटिल होने के कारण चिकित्सकों ने तत्काल सर्जरी का निर्णय लिया और सफलता पूर्वक ऑपरेशन किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की जटिल लिवर सर्जरी सामान्यतः चुनिंदा उच्चस्तरीय चिकित्सा संस्थानों में ही की जाती हैं।

नसों को सुरक्षित रखना सबसे बड़ी चुनौती थी

विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि ट्यूमर लिवर की प्रमुख रक्त वाहिनियों के बीच गहराई तक फैला हुआ था। ऐसे मामलों में मामूली चूक भी गंभीर जटिलताएं पैदा कर सकती है। इसलिए ऑपरेशन के दौरान प्रत्येक चरण पर अत्यधिक सावधानी बरती गई।

10 घंटे तक ऑपरेशन थिएटर में जुटी रही विशेषज्ञों की टीम

करीब पांच सेंटीमीटर आकार का ट्यूमर लिवर की मुख्य नसों के बीच फंसा हुआ था। इसे निकालने के लिए सर्जनों, एनेस्थीसिया विशेषज्ञों और प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ की टीम लगातार 10 घंटे तक ऑपरेशन थिएटर में जुटी रही। सूक्ष्म तकनीक और सावधानीपूर्वक की गई सर्जरी के कारण ट्यूमर को सफलतापूर्वक बाहर निकाला जा सका।

स्वास्थ्य योजनाओं के लक्ष्य हर हाल में पूरे करें: सागर

■ग्रामीण क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

जिले में संचालित स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एमएस सागर ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्धारित लक्ष्यों को हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिलाधीश रुचिका सिंह चौहान के निर्देशन में जिले में स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है और यह सुनिश्चित किया जाए कि ग्रामीण क्षेत्रों के अंतिम छोर पर रहने वाले लोगों तक भी योजनाओं का लाभ पहुंचे। शनिवार को आयोजित समीक्षा बैठक में शहरी क्षेत्र सहित जिले के चारों विकासखंडों के स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। डॉ. सागर ने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी कार्ययोजना बनाकर समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरे किए जा सकें। बैठक में स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

पिता का संघर्ष और त्याग बन जाए जिंदगी में पंख तो बच्चे भरते हैं ऊंची उड़ान

पिता वह शक्ति हैं जो बिना कहे अपने परिवार के लिए हर कठिनाई सह लेते हैं। चाहे गरीबी हो, बीमारी हो या संघर्ष–वे अपने बच्चों के सपनों को पूरा करने के लिए अपनी खुशियों का त्याग कर देते हैं। ऐसी ही कुछ सच्ची और प्रेरणादायक कहानियाँ हमें यह सिखाती हैं कि पिता का प्यार दुनिया की सबसे बड़ी ताकत होती है।

1. डैड जिन्होंने बेटी के लिए आयरनमैन पूरा किया

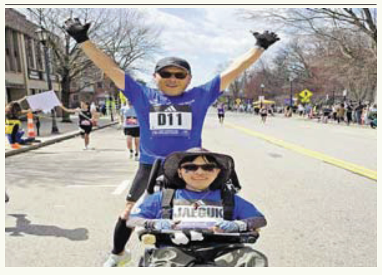

एक पिता ने अपनी दिव्यांग बेटी के लिए खुद को फिट बनाया और आयरनमैन ट्रायथलॉन पूरा किया। उनका मकसद सिर्फ मेडल जीतना नहीं था, बल्कि बेटी को यह दिखाना था कि हार मानना विकल्प नहीं है। हर ट्रेनिंग में बेटी साथ होती थी।

ब्राजील: पिता ने बेटी के इलाज के लिए बनाया स्टार्टअप

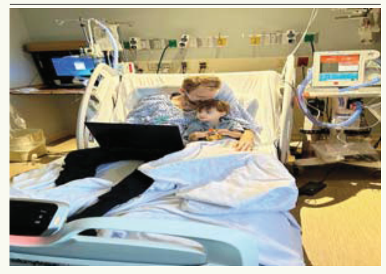

ब्राजील में एक पिता ने अपनी बेटी की गंभीर बीमारी के इलाज के लिए नौकरी छोड़कर टेक स्टार्टअप शुरू किया। कई असफलताओं के बाद भी उसने हार नहीं मानी और अंततः अपनी बेटी के इलाज के लिए पर्याप्त पैसे जुटाए।

जापान: पिता जो बेटी को स्कूल छोड़ने 90 किमी चलता

जापान के एक ग्रामीण इलाके में एक पिता हर दिन लगभग 90 किलोमीटर पैदल चलकर अपनी बेटी को स्कूल छोड़ने जाता था। उसका मानना था कि शिक्षा ही भविष्य बदल सकती है, चाहे कितनी भी कठिनाई क्यों न हो।

अमेरिका में पिता ने बेटी के लिए व्हीलचेयर फ्रेंडली घर बनाया

अमेरिका में एक पिता ने अपनी दिव्यांग बेटी के लिए खुद अपना घर पूरी तरह व्हीलचेयर-फ्रेंडली बना दिया। उसने हर दरवाजा, रैंप और बाथरूम को इस तरह डिजाइन किया कि बेटी स्वतंत्र रूप से रह सके।

भारतीय पिता जिन्होंने बेटी को ओलिम्पिक स्तर तक पहुंचाया

भारत में कई ऐसे उदाहरण हैं जहां पिता ने अपनी बेटी को अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी बनाया। एक किसान पिता ने अपनी जमीन बेचकर बेटी की ट्रेनिंग जारी रखी और उसे नेशनल लेवल एथलीट बना दिया।

पिता की खामोश मोहब्बत उंगली पकड़कर चलना सिखाया हमको, अपनी नींद गंवाकर सुलाया। आंसू छुपाकर आपने हंसाया हमको, कोई दुख न देना ऐ खुदा उनको। -गुलजार

फादर्स डे... जानिए क्यों मनाया जाता है

पिता के त्याग, समर्पण, परिवार के प्रति उनके योगदान को सम्मान देने के लिए एक बेटी की पहल

पिता परिवार की नींव होते हैं। वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए जीवनभर संघर्ष करते हैं और अक्सर अपनी इच्छाओं का त्याग कर देते हैं। ऐसे ही त्याग, समर्पण और प्रेम को सम्मान देने के लिए हर वर्ष पिता दिवस मनाया जाता है। यह दिन बच्चों को अपने पिता के प्रति आभार व्यक्त करने और उनके योगदान को याद करने का अवसर देता है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में यह दिवस जून के तीसरे रविवार को मनाया जाता है।

पिता दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि उन अनगिनत त्यागों और संघर्षों को याद करने का दिन है जो एक पिता अपने परिवार के लिए करता है। यह अवसर हमें अपने पिता के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त करने की प्रेरणा देता है।

भारत, अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और कई अन्य देशों में पिता दिवस जून के तीसरे रविवार को मनाया जाता है। वर्ष 2026 में यह दिवस 21 जून को मनाया जा रहा है। हालांकि सभी देशों में इसकी तिथि एक जैसी नहीं है। कुछ देशों में इसे अलग-अलग दिनों में मनाने की परंपरा है।

क्यों मनाया जाता है

पिता दिवस का उद्देश्य पिता के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना है। परिवार की आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक जिम्मेदारियों को निभाने में पिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वे बच्चों को अनुशासन, आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और जीवन के मूल्यों की शिक्षा देते हैं। इस दिन बच्चे अपने पिता को शुभकामनाएं देकर, उपहार देकर या उनके साथ समय बिताकर अपना प्रेम प्रकट करते हैं।

क्या है इतिहास?

पिता दिवस की शुरुआत अमेरिका से मानी जाती है। इसके पीछे एक भावनात्मक कहानी जुड़ी हुई है।

साल 1909 में अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में रहने वाली एक युवती, सोनोरा स्मार्ट डोड ने अपने पिता के सम्मान में एक विशेष दिन मनाने का विचार रखा। उनकी मां का निधन हो गया था, जिसके बाद उनके पिता विलियम्स जैक्सन स्मार्ट ने अकेले ही अपने छह बच्चों का पालन-पोषण किया।

सोनोरा को लगा कि जिस तरह माताओं के सम्मान में एक विशेष दिवस मनाया जाता है, उसी तरह पिताओं के सम्मान के लिए भी एक दिन होना चाहिए। उनके प्रयासों के बाद 19 जून 1910 को अमेरिका में पहली बार पिता दिवस मनाया गया।

बाद में इस परंपरा को व्यापक समर्थन मिला और वर्ष 1972 में अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने इसे आधिकारिक मान्यता प्रदान की। इसके बाद यह दिवस दुनिया के कई देशों में लोकप्रिय हो गया।

पिता की भूमिका क्यों है खास?

परिवार का सहारा: पिता परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए निरंतर मेहनत करते हैं और कठिन परिस्थितियों में भी परिवार का साथ नहीं छोड़ते।

बच्चों के पहले मार्गदर्शक: पिता बच्चों को जीवन की चुनौतियों का सामना करना सिखाते हैं और उन्हें सही-गलत की पहचान कराते हैं।

आत्मविश्वास का आधार: पिता का प्रोत्साहन बच्चों में आत्मविश्वास और साहस पैदा करता है, जिससे वे जीवन में आगे बढ़ते हैं।

अनुशासन और जिम्मेदारी: पिता बच्चों को समय का महत्व, मेहनत का मूल्य और जिम्मेदार नागरिक बनने की सीख देते हैं।

दुनिया में अलग-अलग तिथियों पर मनाते हैं

- भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा: जून का तीसरा रविवार
- **ऑस्ट्रेलिया:** सितंबर का पहला रविवार
- **स्पेन, इटली और पुर्तगाल:** 19 मार्च
- **थाईलैंड:** 5 दिसंबर
- **ताइवान:** 8 अगस्त

रोचक तथ्य

- दुनिया का पहला पिता दिवस 1910 में मनाया गया था।
- इसकी शुरुआत एक बेटी की पहल से हुई थी।
- कई देशों में इसे राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है।
- यह दिवस पिता और बच्चों के रिश्ते को मजबूत बनाने का अवसर माना जाता है।

21 जून : एक ही दिन तीन एहसास : पिता, संगीत और योग का संगम

जीवन में संगीत और योग की ऊर्जा भर देता पिता का आशीर्वाद

21 जून का दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि भावनाओं का संगम है। यह दिन पिता के त्याग और प्रेम को सम्मान देने वाला पिता दिवस है, संगीत की मधुर लहरों को समर्पित संगीत दिवस है, और शरीर व मन को संतुलित करने वाला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भी है। जब ये तीनों एक साथ आते हैं, तो यह हमें सिखाते हैं कि जीवन में प्रेम, कला और अनुशासन–तीनों का संतुलन ही सच्ची खुशी है।

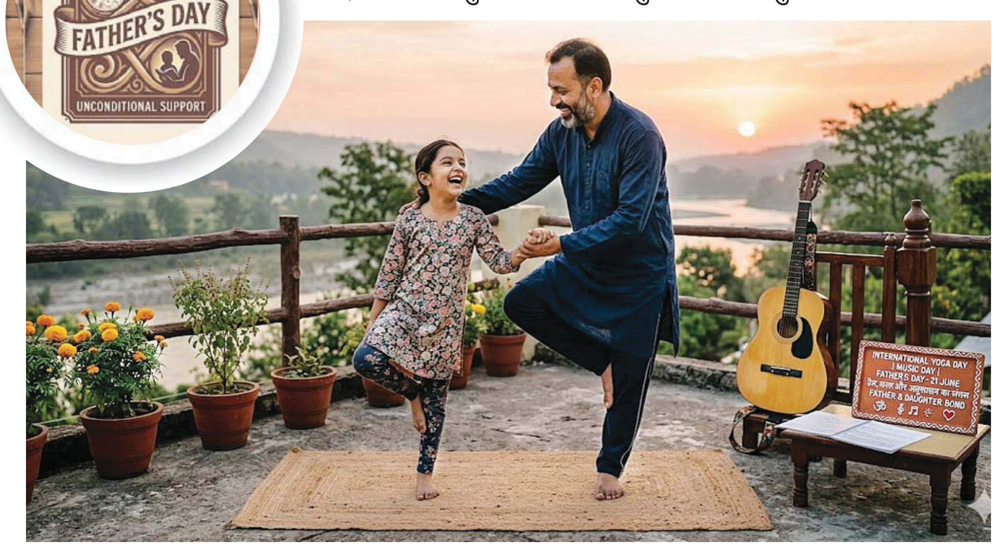

ओशो की दृष्टि में पिता

जीवन, प्रेम और अनुशासन की प्रेरणादायक सीख

पिता वह है जो बच्चे को सिर्फ पालता नहीं, बल्कि उसे जीवन के लिए तैयार करता है

ओशो (रजनीश) ने रिश्तों को केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन की गहरी समझ के रूप में देखा। उनके अनुसार पिता का रिश्ता सबसे अनोखा होता है, क्योंकि इसमें प्रेम के साथ-साथ अनुशासन, कठोरता और जीवन की सच्चाइयों का सामना करने की तैयारी भी शामिल होती है। ओशो मानते थे कि पिता का असली काम बच्चे को सुरक्षित रखना नहीं, बल्कि उसे इतना मजबूत बनाना है कि वह खुद अपनी सुरक्षा कर सके।

पिता कौन है?

ओशो के अनुसार पिता केवल एक भूमिका नहीं है, बल्कि एक ऊर्जा है जो बच्चे को जीवन की वास्तविकताओं से जोड़ती है।

वे कहते थे कि मां का प्रेम कोमल और स्वीकार करने वाला होता है

लेकिन पिता का प्रेम चुनौती देने वाला और मजबूत बनाने वाला होता है

ओशो मानते थे कि यदि जीवन में केवल कोमलता हो, तो व्यक्ति कमजोर रह जाता है, और यदि केवल कठोरता हो, तो टूट सकता है। इसलिए पिता का संतुलन बहुत जरूरी है।

ओशो कहते थे कई बार बच्चे पिता की सख्ती को गलत समझ लेते हैं। लेकिन असल में वह सख्ती बच्चे के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए होती है।

पिता के 5 मुख्य संदेश

- आत्मनिर्भर बनो: पिता चाहता है कि बच्चा किसी पर निर्भर न रहे।
- जिम्मेदारी सीखो: जीवन सिर्फ आराम नहीं, कर्तव्य भी है।
- डर से नहीं, समझ से जियो: पिता अनुभव से सीख देता है, ताकि बच्चा गलतियों से बचे।
- संघर्ष से मत भागो: कठिनाइयाँ ही असली शिक्षक होती हैं।
- खुद की पहचान बनाओ: पिता चाहता है कि बच्चा अपनी अलग पहचान बनाए।
- मां और पिता में ओशो का संतुलन विचार

ओशो के अनुसार मां और पिता दोनों ऊर्जा के प्रतीक हैं

- मां: प्रेम, करुणा, स्वीकार
- पिता: अनुशासन, दिशा, शक्ति

वे कहते थे कि अगर दोनों संतुलन में हों, तो बच्चा मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनता है।

- आज के समय में ओशो की सीख क्यों जरूरी है?
- आज के समय में बच्चे और पिता के बीच दूरी बढ़ रही है। ओशो की शिक्षा हमें याद दिलाती है कि

पिता की सख्ती को गलत न समझें उनके प्रयासों को पहचानें

वे एक उदाहरण देते थे

अगर मिट्टी को बिना दबाए छोड़ दिया जाए, तो वह आकार नहीं लेती। कुम्हार मिट्टी को दबाता है, चोट भी देता है, लेकिन अंत में एक सुंदर बर्तन बनाता है।

इसी तरह पिता भी जीवन में बच्चे को आकार देता है, कभी-कभी कठोर होकर, कभी-कभी दूर रहकर, लेकिन हमेशा बेहतर बनाने के उद्देश्य से।

ओशो की एक प्रेरणादायक कथा (पिता पर आधारित)

एक बार एक व्यक्ति ओशो के पास आया और बोला–

मेरे पिता हमेशा मुझसे सख्ती से पेश आते थे। मुझे लगता है वे मुझे कभी समझते नहीं थे।

ओशो मुस्कुराए और बोले

तुम अभी अधूरा देखते हो। पिता तुम्हें वह बनाना चाहता था जो तुम आज हो, न कि वह जो तुम उस समय थे।

फिर उन्होंने समझाया कि पिता का प्रेम अक्सर शब्दों में नहीं होता, बल्कि कर्मों में छिपा होता है। वह सुबह उठकर काम पर जाना, कठिनाई सहना, और बच्चों की जरूरतें पूरी करना यही उसका प्रेम है।

रिश्तों में संवाद बढ़ाएं, प्रेम को महसूस करें, सिर्फ सुनें नहीं- ओशो के विचार हमें यह समझाते हैं कि पिता केवल परिवार का हिस्सा नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला आधार है। उनकी सख्ती के पीछे प्रेम छिपा होता है, और उनकी चुप्पी के पीछे चिंता। जब हम पिता को सही दृष्टि से समझते हैं, तब उनका हर संघर्ष हमें प्रेरणा बन जाता है।

पापा भी करते हैं मन की बात

एक समय था पिता और बच्चों के बीच एक अनकहा पर्दा हुआ करता था, जिसके पीछे अनेक भावनाएं छिप जाया करती थीं। लेकिन आज के पिता अपने बच्चे की भावनाओं को समझते हैं। पिता का ऐसा होना क्यों है आज की जरूरत?

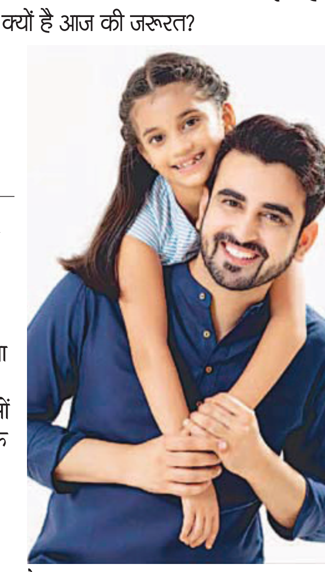

पिता के प्यार का प्रभाव

- आधुनिक पिता का भावनात्मक सहयोग और रवैया बच्चे के व्यक्तित्व को खूब निखार देता है। ऐसे बच्चे अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से सामने रख पाते हैं। जब वे पिता से बात करने लगते हैं, तो उनका दिमाग और विचार बेहतर तरीके से विकसित होता है।
- बच्चा तनाव से दूर रहता है और उसे पता होता है कि घर का सबसे मजबूत व्यक्ति उसे पूरी तरह समझता है। ऐसे में बच्चे गलत कदम उठाने से बच जाते हैं।
- बच्चे को समझते हुए पिता उसे बेहतर तरीके से समझा पाते हैं।
- बच्चे का मनोबल बढ़ता है, जिससे वे समाज में बेहतर तरीके से पेश आते हैं और जिम्मेदाराना व्यवहार करते हैं।

डेवलपमेंट साइकोलॉजी फोरम में प्रकाशित आंकड़ों की मानें, तो अब पुरुष भी बच्चों को पालने में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। ये पिता अपने बच्चों से खुलकर बात करते हैं और भावनाओं को जताने और समझने में पीछे नहीं हैं। इससे बच्चों के व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे पिता के बच्चे भावनात्मक रूप से मजबूत होते हैं, मनोबल अच्छा होता है और उनमें चिड़चिड़ापन कम होता है। इससे वे धैर्य के साथ परिस्थिति का सामना करने लायक बन पाते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, अब पितृसत्ता के नियम बदल रहे हैं। अब पिता पहले से तय रूपरेखा का पालन करते हुए एक सख्त पिता बनने की जगह परिस्थिति को समझते हुए अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

समय की जरूरत

साइकोलॉजिस्ट डॉ. राजेश पांडे कहते हैं कि आधुनिक परवरिश में पिता सि य भूमिका निभाते दिख रहे हैं, क्योंकि ये आज की जरूरत है। देखा जाए तो मां से बच्चे का एक प्राकृतिक रिश्ता होता है, लेकिन पिता के साथ यह रिश्ता बनाना होता है और इसमें दोनों को ही जतन करने होते हैं। पहले पिता बच्चों से दूरी बनाकर रखते तो थे, लेकिन कोशिश करते थे कि उनकी तरफ से पालन-पोषण में कोई कमी न रह जाए। मगर आज जिम्मेदारियों के समान बंटवारे की जरूरत है। ऐसा इसलिए कि आज बच्चे पूरी तरह से माता-पिता पर ही निर्भर हैं। पहले परिवार में जब सब साथ रहा करते थे, तब बच्चों को कहीं न कहीं से भावनात्मक सहारा मिल जाता था। लेकिन अब परिवार एकल हो चुके हैं। अगर माता-पिता साथ मिलकर बच्चे की परवरिश की जिम्मेदारी को नहीं संभालेंगे, तो बच्चा खुद को अनदेखा महसूस करने लगेगा। यही वजह है कि अब माता-पिता दोनों अपने बच्चे के लिए भावनात्मक रूप से उपलब्ध रहने लगे हैं। परवरिश के मामले में अब अधिकांश माता-पिता एक टीम के रूप में काम करने लगे हैं, ताकि बच्चा खुद को कभी अकेला महसूस न कर सके।

हर मुश्किल में साथ खड़े होते हैं पिता: बेटों की जीत की कहानी के असली हीरो

पिता और बेटे का रिश्ता सिर्फ खून का नहीं, बल्कि भरोसे, संघर्ष और सपनों का एक मजबूत बंधन होता है। हर कहानी में कहीं न कहीं एक पिता अपने बेटे के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए अपनी खुशियों, आराम और कभी-कभी अपनी पूरी जिंदगी तक का त्याग कर देता है। ये ऐसे ही प्रेरणादायक पलों को दिखाती हैं, जहां पिता ने अपने बेटों के लिए असंभव को भी संभव बना दिया और उन्हें सफलता की राह पर आगे बढ़ाया।

पहाड़ों से लड़कर बेटे का भविष्य बचाने वाला पिता

एक मजदूर पिता ने अपने बेटे की पढ़ाई के लिए रोज़ 20 किलोमीटर पैदल चलकर काम किया। बारिश, बर्फ और तूफान भी उसे रोक नहीं पाए। उसका सपना था कि उसका बेटा उससे बेहतर जिंदगी जिए। आज वही बेटा एक बड़ा डॉक्टर है।

अपनी नौकरी छोड़कर बेटे को बचाने वाला पिता

एक तकनीशियन पिता ने अपने बेटे की गंभीर बीमारी के इलाज के लिए अपनी अच्छी नौकरी छोड़ दी। उसने छोटे-मोटे काम करके पैसे जुटाए और बेटे की जान बचाई। आज बेटा पूरी तरह स्वस्थ है और अपने पिता को हीरो मानता है।

साइकिल पर बेटे को स्कूल ले जाने वाला पिता

एक गांव में रहने वाला पिता रोज़ 10 किलोमीटर साइकिल चलाकर अपने बेटे को स्कूल छोड़ने जाता था। उसके पास पैसे नहीं थे, लेकिन उसने बेटे की शिक्षा में कभी कमी नहीं आने दी। आज उसका बेटा एक इंजीनियर है।

सेना में रहते हुए बेटे को प्रेरित करने वाला पिता

एक आर्मी अफसर पिता सीमाओं पर रहते हुए भी अपने बेटे को हर दिन पत्र लिखता था। उसने बेटे को अनुशासन और देशभक्ति का महत्व सिखाया। आज बेटा भी अपने पिता की तरह सेना में अफ़सर है।

दिव्यांग होने के बावजूद बेटे को आगे बढ़ाने वाला पिता

एक दुर्घटना में अपने पैरों से दिव्यांग हो चुके पिता ने हार नहीं मानी। उसने हाथों से काम करके बेटे की पढ़ाई पूरी करवाई। आज बेटा एक सफल व्यवसायी है और पिता को अपनी ताकत मानता है।

पिता के साये का अहसास हाथ की लकीरें बदल जाती हैं, जब सिर पर पिता का हाथ होता है। दुनिया की हर मुसीबत छोटी लगती है, जब तक उनका साथ होता है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 : यूएसए ने राउंड ऑफ 32 के लिए किया क्वालीफाई, ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

मैच की मुख्य बातें

गोल-स्कोर: अमेरिका 2 - 0 ऑस्ट्रेलिया।
पहला गोल: मैच के 11वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया के कैमरन बर्गेस द्वारा हुए आत्मघाती गोल से अमेरिका को बढ़त मिली।
दूसरा गोल: पहले हाफ के हाफ टाइम से ठीक पहले 45वें मिनट में एलेक्स फ्रीमैन ने हेडर के जरिए शानदार गोल कर अमेरिका की बढ़त को 2-0 कर दिया।
मैच पर नियंत्रण: अमेरिकी टीम ने 63प्रतिशत तक गेंद पर अपना कब्ज़ा बनाए रखा और पूरे मैच में खेल की गति को नियंत्रित किया।
टीम की मजबूती: स्टार खिलाड़ी क्रिश्चियन पुलिसिस के चोटिल होने के बावजूद, मेजबान टीम ने बेहतरीन तालमेल दिखाया।
ग्रुप में स्थिति: इस लगातार दूसरी जीत के साथ, अमेरिका 6 अंकों के साथ ग्रुप-डी में शीर्ष (टॉप) पर पहुंच गया है और नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुका है।
ऑस्ट्रेलिया का सफर: इस हार के बाद भी सॉकरूस (ऑस्ट्रेलियाई टीम) टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है, उन्हें अगले नॉकआउट चरण में पहुंचने के लिए अपने अंतिम ग्रुप मैच में पैराग्वे के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी।

मेजबान यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका ने ग्रुप डी के मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 2-0 की शानदार जीत के साथ फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ-32 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत के साथ यूएसए टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज के लिए क्वालिफाई करने वाली मेक्सिको के बाद दूसरी टीम बन गई।

वाशिंगटन

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-डी में मेजबान अमेरिका ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हरा दिया है। इस शानदार जीत के साथ ही अमेरिकी टीम ने टूर्नामेंट के अगले दौर यानी राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली है। वाशिंगटन के सिएटल स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने मैच के पहले हाफ में ही दो गोल दागकर सामने वाली टीम पर अपना पूरा दबदबा बना लिया था।

विपक्षी टीम की गलती से खुला यूएसए खाता

मैच की शुरुआत से ही अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। खेल के 11वें मिनट में ही अमेरिका ने अपना पहला गोल किया। अमेरिकी खिलाड़ी फोलारिन बालोगुन ने गोल करने के लिए एक नीचा क्रॉस पास फेंका। इसे रोकने और दूर धकेलने की कोशिश में ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर कैमरन बर्गेस से एक बड़ी चूक हो गई। गेंद सीधे उनके अपने ही गोल पोस्ट में चली गई। इस ओन गोल की वजह से अमेरिका को 1-0 की शुरुआती बढ़त मिल गई और यहां से ऑस्ट्रेलियाई टीम काफी दबाव में आ गई।

अमेरिका को फ्रीमैन ने दिलाई मजबूत बढ़त

पहला हाफ खत्म होने से ठीक पहले अमेरिका ने अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। मैच के 45वें मिनट में सर्जिनो डेस्ट ने गोल करने का एक बेहतरीन प्रयास किया। इसी दौरान मिले एक मौके का फायदा उठाते हुए एलेक्स फ्रीमैन ने डी-बॉक्स के अंदर से एक शानदार हेडर लगाया और गेंद को सीधे गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। इस गोल को लेकर थोड़ी देर के लिए वीडियो रिव्यू भी किया गया, लेकिन अंत में रेफरी ने इसे बिल्कुल सही करार दिया। इस तरह हाफ-टाइम तक अमेरिका 2-0 से आगे हो गया।

ऑस्ट्रेलिया की वापसी की कोशिशें रहीं नाकाम

दो गोल से पिछड़ने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरे हाफ में वापसी करने की पूरी कोशिश की। उनके खिलाड़ियों ने अमेरिकी पाले में कुछ अच्छे आक्रमण भी किए, लेकिन अमेरिका के मजबूत डिफेंस को भेद पाना उनके लिए नामुमकिन साबित हुआ। अमेरिकी खिलाड़ियों ने मैच के आखिरी मिनट तक अपनी बढ़त को बरकरार रखा और ऑस्ट्रेलिया को गोल करने का एक भी मौका नहीं दिया।

अगले चरण में पहुंची अमेरिका की टीम

इस जीत के साथ अमेरिका ने ग्रुप-डी में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। वर्ल्ड कप के इतिहास में यह केवल दूसरा मौका है जब अमेरिकी टीम ने अपने सफर की शुरुआत लगातार दो जीत के साथ की है। जहां एक तरफ अमेरिका नॉकआउट दौर में पहुंच चुका है, वहीं ऑस्ट्रेलिया के लिए इस हार के बाद आगे की राह बेहद मुश्किल हो गई है।

ब्राजील ने दिखाया दमखम, हैती को 3-0 से हराकर किया बाहर

फिलाडेल्फिया

पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील ने स्टार स्ट्राइकर मैथियस कुन्हा के दो गोलों की बदौलत ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में हैती को शुक्रवार को 3-0 से हराकर फीफा विश्वकप से बाहर कर दिया। राफिन्हा, मैथियस कुन्हा और विनीसियस जूनियर के अटैक को लीड करते हुए, ब्राज़ील ने अटैकिंग 4-3-3 फॉर्मेशन अपनाया, जिससे दुनिया की नंबर 6 टीम ने हाफटाइम से पहले 3-0 की बड़ी बढ़त बना ली। ब्राज़ील ने शुरुआती स्टेज में दबदबा बनाया और राफिन्हा के गोल को ऑफसाइड मानकर दो बार गोल रद्द कर दिया गया, इससे पहले कुन्हा ने 23वें मिनट में गोल किया। मैनचेस्टर यूनाइटेड के फॉरवर्ड ने जूनियर के सेट अप के बाद 36वें मिनट में फिर से गोल करके ब्राज़ील को मज़बूती से कंट्रोल में ला दिया। ब्राज़ील ने पहले हाफ़ के स्टॉपेज टाइम में तीसरा गोल किया जब लुकास पैक्वेटा ने जूनियर को पास दिया, जिसने दाएं पैर से गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया। वर्ल्ड नंबर 82 हैती ने हाफ़टाइम के बाद सुधार किया और ब्राज़ील के गोलकीपर एलिसन को दो गोल बचाने पर मजबूर किया, जिससे ब्राज़ील ने अपने पहले हाफ़ में दबदबे के बाद रफ़्तार धीमी कर दी।

नौवें दिन के हीरो ब्राजील के कुन्हा और मोरक्को के साइबारी

मोरक्को ने स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया

फॉक्सबोरो, (अमेरिका)

अफ्रीकी देश मोरक्को की फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप सी मुकाबले में स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया। बोस्टन स्टेडियम में शुक्रवार रात खेले गए इस मुकाबले का इकलौता और निर्णायक गोल मोरक्को के स्ट्राइकर इस्माइल साइबारी ने किया।

इस मैच में जीत के साथ मोरक्को के अंक तालिका में चार हो गये हो गये है और वह ग्रुप में शीर्ष पर है। 70वें सेकेंड में किया गया विश्व कप इतिहास में मोरक्को का सबसे तेज गोल है। दूसरे हॉफ में स्कॉटलैंड ने वापसी का प्रयास किया लेकिन मोरक्को के दृढ़ निश्चय को तोड़ नहीं पाई। इस हार के साथ ही विश्व कप के नॉकआउट राउंड में पहली बार जगह बनाने की स्कॉटलैंड की उम्मीदें अभी भी खतरे में हैं। अब उन्हें 24 जून को ब्राजील के खिलाफ एक अंक हासिल करना होगा ताकि उनकी क्वालीफाई करने की गारंटी लगभग पक्की हो जाए।

24 जून को ग्रुप सी के मैचों के फ़ाइनल राउंड में ब्राज़ील का सामना स्कॉटलैंड से होगा, जबकि मोरक्को का सामना हैती से होगा। बाहर होने के बावजूद, हैती वर्ल्ड कप फ़ाइनल टूर्नामेंट में अपना पहला पॉइंट हासिल करने की कोशिश करेगा।

नीरज चोपड़ा ने राष्ट्रमंडल खेल क्वालिफिकेशन मार्क हासिल किया

दोहा

नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग 2026 में शुक्रवार को चौथे स्थान पर रहे लेकिन उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल क्वालिफिकेशन मार्क हासिल कर लिया। श्रीलंका के रमेश तरंगा पथिरागे ने इस मुकाबले में जीत हासिल की। नीरज चोपड़ा पीठ की चोट से उबरने के बाद कॉम्पिटिशन में लौटे। उन्होंने कतर स्पोर्ट्स क्लब में अपने सीज़न की शुरुआत फाउल प्रयास के साथ की। उन्होंने दूसरे प्रयास में 82.77 मीटर, तीसरे प्रयास में 85.69 मीटर और चौथे प्रयास में 83.45 मीटर भाला फेंका। उनका पांचवां प्रयास फाउल रहा। नीरज के तीसरे प्रयास ने उन्हें चौथा स्थान दिलाया। श्रीलंका के रमेश तरंगा पथिरागे ने चौथे प्रयास में 88.68 मीटर भाला फेंककर जीत हासिल की। ग्रेनाडा के पीटर्स एंडरसन 86.38 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 85.99 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने 88.67 मीटर के थ्रो के साथ दोहा डायमंड लीग का 2023 एडिशन जीता था, 2024 में 88.36 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे और पिछले साल 90.23 मीटर का नेशनल रिकॉर्ड बनाया, लेकिन जर्मनी के जूलियन वेबर के पीछे दूसरे स्थान पर रहे।

विश्वकप में सबसे तेज गोल का नया रिकॉर्ड गालार्जा ने मात्र 64 सेकंड में किया कमाल

पैराग्वे ने किया बड़ा उलटफेर, तुर्की को हराकर टूर्नामेंट से किया बाहर

न्यूयॉर्क

फीफा विश्वकप 2026 में पैराग्वे के मिडफील्डर मटियास गालार्जा ने ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसने उन्हें टूर्नामेंट की रिकॉर्ड बुक में जगह दिला दी। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में तुर्की के खिलाफ खेले गए अहम ग्रुप-डी मुकाबले में गालार्जा ने मैच शुरू होने के महज 64 सेकंड बाद गोल दागकर विश्वकप 2026 का सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड बना दिया। 24 वर्षीय गालार्जा टूर्नामेंट के पहले मैच में मैदान पर नहीं उतरे थे, लेकिन तुर्की के खिलाफ उन्हें शुरुआती एकादश में मौका मिला और उन्होंने शुरुआत से ही अपने चयन को सही साबित कर दिया। मैच के दूसरे ही मिनट में उन्होंने बाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया और पैराग्वे को 1-0 की बढ़त दिला दी।

साइबारी का रिकॉर्ड तोड़ा

गालार्जा से पहले यह रिकॉर्ड मोरक्को के इस्माइल साइबारी के नाम था, जिन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ 70 सेकंड में गोल किया था। हालांकि पैराग्वे के मिडफील्डर ने उनसे छह सेकंड पहले गोल कर नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। यह गोल विश्वकप 2026 का अब तक का सबसे तेज गोल बन गया है और टूर्नामेंट की सबसे चर्चित उपलब्धियों में शामिल हो गया है।

पहले मैच में हार, दूसरे में दमदार वापसी

पैराग्वे को अपने पहले मुकाबले में मेजबान अमेरिका के खिलाफ 1-4 की करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में तुर्किये के खिलाफ मैच टीम के लिए करो या मरो जैसा था। गालार्जा के शुरुआती गोल ने खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाया और टीम ने मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाए रखी। तुर्किये ने बराबरी हासिल करने के लिए कई हमले किए, लेकिन पैराग्वे का डिफेंस उनके सभी प्रयासों को विफल करने में सफल रहा।

तुर्की को विश्वकप से किया बाहर

पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम के तीसरे मिनट में वीएआर की दखल के बाद पैराग्वे के खिलाड़ी अल्मिरॉन को रेड कार्ड मिला, क्योंकि उन्होंने मुल्डुर से कुछ कहते समय अपना मुंह ढका हुआ था। इसके बावजूद 10 खिलाड़ियों वाली पैराग्वे टीम ने शानदार जज्बा दिखाते हुए मौके गंवाने वाली तुर्की टीम को 1-0 से हरा दिया।

इस नतीजे के साथ ही, सबको चौंकाने वाली तुर्की टीम एक मैच बाकी रहते ही वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है, जबकि पैराग्वे ने राउंड ऑफ 32 में पहुंचने का शानदार मौका बना लिया है।

चिली को 6-0 से हराकर भारत फाइनल में पहुंचा

ऑकलैंड

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को ऑकलैंड में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2025-26 के सेमीफ़ाइनल में चिली के खिलाफ 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है।कल यहां खेले गये मुकाबले में भारत के लिए नवनीत कौर ने (छठे, 13वें), दीपिका ने (14वें, 18वें), नेहा ने (32वें) और रुतुजा दादासो पिसाल ने (39वें) मिनट में गोल किए। कप्तान सलीमा टेटे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया। भारत का फाइनल में मुकाबला मेजबान न्यूजीलैंड से होगा जिसने दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका को शूट आउट में 4-1 से हराया। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबर रहा था।

मकाऊ ओपनः सेमीफाइनल में अश्मिता की हार

मकाऊ

भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा को मकाऊ ओपन के महिला एकल के सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया की पार्क गा-उन से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। बैडमिंटन रैंकिंग में 63वें नंबर पर मौजूद अश्मिता चालिहा को 61वें नंबर की खिलाड़ी पार्क गा-उन ने 38 मिनट में 21-17, 21-9 से हराया।

अफगानिस्तान तीसरा और आखिरी वनडे नौ विकेट से हारा

कृष्णा का पंजा, जायसवाल का नाबाद शतक भारत ने आसानी से 3-0 से किया क्लीन स्वीप

चेन्नई

तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (23 रन पर पांच विकेट) के पंजे और यशस्वी जायसवाल (नाबाद 110) तथा रोहित शर्मा (79) के साथ उनकी 170 रन की ओपनिंग साझेदारी की बदौलत भारत ने तीसरा और आखिरी वनडे शनिवार को नौ विकेट से जीतकर अफगानिस्तान का 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया। भारत ने अफगानिस्तान को 44.2 ओवर में 218 रन पर समेटने के बाद 28.4 ओवर में एक विकेट पर 224 रन बनाकर एकतरफा जीत हासिल की। जायसवाल ने 86 गेंदों पर नाबाद 110 रन की पारी में 13 चौके और तीन छक्के लगाए। उन्होंने विजयी छक्का भी मारा। रोहित ने 69 गेंदों पर 79 रन में नौ चौके और तीन छक्के लगाए। श्रेयस अय्यर दो छक्कों की मदद से 20 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके पहले अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। अफगानिस्तान टीम शुरुआत काफी खराब रही, उन्होंने अपने शुरुआती 4 विकेट 10 ओवर्स के अंदर ही गंवा दिए थे। इंडिया के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार परफ़ॉर्मेंस दी, जिन्होंने अपने पहले पाँच ओवर में चार विकेट लिए। वहीं इसके बाद उनके कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी और अजमतुल्लाह ओमारजई के बीच में पांचवें विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी देखने को मिली। ओमरजई के पवेलियन लौटने के साथ ही अफगानिस्तान पारी को सिमटने में अधिक समय नहीं लगा। आखिरी पाँच विकेट सिर्फ़ 20 रन पर खो दिए। वहीं हशमतुल्लाह शाहिदी 102 रनों की पारी जरूर खेलने में कामयाब रहे। टीम इंडिया की तरफ से गेंदबाजी में जहां प्रसिद्ध कृष्णा ने 5 विकेट हासिल किए तो वहीं गुरनूर, प्रिंस और हर्ष दुबे ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। फिर पंजा खोलते हुए पारी का अंत किया। सीरीज मे 238 रन बनाने शुभमन गिल मैन ऑफ सीरीज और मैच में 5 विकेट लेने वाले प्रसिद्ध कृष्णा मैन ऑफ द मैच रहे।

बल्लेबाजी शुरू होने से पहले ही भारत को मिले 5 रन

अफगानिस्तान की पारी के 40वें ओवर की आखिरी गेंद पर कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने रन लेने का प्रयास किया, लेकिन बीच पिच पर पहुंचने के बाद उन्होंने अपने साथी बल्लेबाज को वापस भेज दिया। इस दौरान वह संरक्षित क्षेत्र में दौड़ गए, जिसे क्रिकेट के नियमों का उल्लंघन माना जाता है। फील्ड अंपायर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अफगानिस्तान पर 5 पेनल्टी रन लगा दिए। इसी वजह से जब रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे तो भारत के स्कोरबोर्ड पर बिना कोई गेंद खेले ही 5 रन दर्ज थे।

आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप

ऑस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड्स को 98 रन से हराकर तीसरी जीत दर्ज की

साउथम्पटन

ऑस्ट्रेलिया ने विकेटकीपर बल्लेबाज बेथ मूनी (74 रन) और एशले गार्डनर (58 रन) के अर्धशतकों की मदद से आईसीसी महिला टी20 विश्व कप मैच में नीदरलैंड को 98 रन से शिकस्त देकर तीसरी जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया तीन मैच में तीन जीत से छह अंक लेकर ग्रुप एक में शीर्ष पर है। भारत दो मैच में दो जीत से दूसरे स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद 'प्लेयर ऑफ द मैच' मूनी और गार्डनर के अर्धशतक तथा दोनों के बीच बीच तीसरे विकेट के लिए 55 गेंद में 101 रन की भागीदारी से छह विकेट पर 219 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में नीदरलैंड की टीम 20 ओवर में तीन विकेट पर 121 रन ही बना सकीं जिसमें कप्तान बैबेट डि लीडे ने नाबाद 56 रन (57 गेंद, पांच चौके) बनाए जबकि स्टेरे कैलिस ने 44 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया ने आठ गेंदबाजों से गेंदबाजी कराई जिसमें किम गार्थ ने दो और अनाबेल सदरलैंड ने एक विकेट लिया।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दी शिकस्त

महिला टी-20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश ने बड़ा उलटफेर कर दिया है। टीम ने पाकिस्तान को हरा दिया है। साउथप्पटन के रोज बाउल में खेले गए मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए बांग्लादेश ने 6 विकेट पर 123 रन बनाए। कप्तान निगार सुल्ताना ने 36, शोभना मस्तारी ने 22 और शोरना अख्तर ने नाबाद 39 रन बनाए। पाकिस्तान के लिए कप्तान फातिमा सना ने 2 विकेट लिए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 8 विकेट पर 100 रन ही बना सकी। ओपनर मुनीबा अली ने 25 और गुल फिरोजा ने 23 रन बनाकर पहले विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी की। बांग्लादेश के लिए नाहिदा और संजीदा ने 3-3 विकेअ लिए। फिर भी पाकिस्तान को 23 रनों से हार मिली। तीन मैचों में यह बांग्लादेश के दूसरी जीत है। वहीं पाकिस्तान की हार की हैट्रिक हो गई है।

न्यूजीलैंड ने आयरलैंड को चार रनो से हराया

कप्तान एमेलिया केर (30 रन/दो विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने महिला टी-20 विश्वकप के 13वें मुकाबले में आयरलैंड को चार रनों से शिकस्त दी। आयरलैंड ने शुक्रवार रात खेले गये मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 140 रनों का स्कोर बनाया। न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने 10 रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। इसके बाद कप्तान एमेलिया केर ने ब्रूक हेलिडे के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों के बीच चौथे विकेट लिए 38 रनों की साझेदारी हुई। नौवें ओवर में कैरा मरे ने एमेलिया केर (30) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद इजी शार्प ने ब्रूक हेलिडे के साथ 62 रन जोड़कर सम्मानजनक स्कोर की नींव रखी। 17वें ओवर में ब्रूक हेलिडे (34) रन बनाकर आउट हुई। इजी शार्प ने 28 गेंदों में 36 रन बनाये। उन्हें 19वें ओवर में आर्लीन केली ने आउट किया। सूजी बेट्स 19 रन बनाकर नाबाद रही। 141 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 136 रन ही बना सकी और मुकाबला चार रनों से हार गई। पहला विकेट जल्द गंवाने के बाद कप्तान गैबी लुईस और ऑर्ला प्रेंडरगस्ट की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 110 रन जोड़कर अपनी टीम को जीत के लक्ष्य के करीब तक पहुंचा दिया था।ऑर्ल प्रेंडरगस्टर ने 53 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 59 रन और गैबी लुईस ने 53 गेंदों में छह चौके लगाते हुए (58) रन बनाये।

मामा के दोस्त ने किया तेरह साल की नाबालिग से दुष्कर्म

बदनाम करने का डर दिखाकर अपने घर बुलाकर किया घिनौंना कृत्य

भोपाल (नगर संवाददाता)

छोला मंदिर पुलिस ने 13 साल की बच्ची की शिकायत पर मामा के कथित दोस्त के खिलाफ बलात्कार व पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी का बच्ची के घर के पास चाचा के घर आना-जाना था। उसी दौरान उसकी बच्ची से पहचान हुई। करीब एक सप्ताह पूर्व बदनामी का डर दिखाकर उसने बच्ची को अपने घर बुलाकर दुष्कर्म किया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक छोला मंदिर क्षेत्र में रहने वाली 13 साल की बच्ची आठवीं कक्षा की छात्रा है। घर के पास ही उसके चाचा रहते हैं। चाचा के घर पर मामा के दोस्त करण का आना-जाना था। उसी दौरान उसकी बच्ची से जान-पहचान हो गई। वह बच्ची से बात करने लगा। विगत 13 जून की दोपहर करण ने बच्ची को डराया-धमकाया कि तू मुझसे बात करती है। मैं तुझे समाज में बदनाम कर दूंगा।

बदनामी का डर दिखाकर उसने बच्ची को कल्याण नगर स्थित अपने घर बुलाकर गलत काम किया। आरोपी ने घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी भी दी। डरी-सहमी बच्ची ने घटना की जानकारी अपने माता-पिता को नहीं दी। वह गुमसुम व परेशान रहने लगी। संदेह होने पर मां ने बच्ची से पूछताछ की तो उसने सारा घटनाक्रम बता दिया। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात मां अपनी बेटी को लेकर थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया। पुलिस ने आरोपी करण (21) को हिरासत में ले लिया है।

भावांतर योजना को मिला स्कॉच गोल्ड अवार्ड-2026

डिजिटल कृषि सुधारों को राष्ट्रीय पहचान

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश सरकार की किसान हितैषी भावांतर भुगतान योजना-2025 को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राज्य की डिजिटल कृषि विपणन व्यवस्था और किसानों को मूल्य संरक्षण देने वाली पहल के लिए प्रदान किया गया।सीएम डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व और किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना के मार्गदर्शन में भावांतर भुगतान योजना-2025 और ई-मंडी योजना को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लागू किया गया है। सरकार का कहना है कि इस व्यवस्था से किसानों को पारदर्शी कृषि विपणन, त्वरित भुगतान और बाजार मूल्य में गिरावट से सुरक्षा मिल रही है। सरकार के अनुसार देश में अपनी तरह की पहली व्यवस्था है, एमएसपी) और वास्तविक बिक्री दर या मॉडल रेट के बीच का अंतर सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित किया जाता है। नई दिल्ली के पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में आयोजित समारोह में मप्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड की ओर से यह सम्मान प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशन में सहायक संचालक योगेश नागले, गोविंद शर्मा और निरंजन सिंह ने प्राप्त किया।

एमपी रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन को भी गोल्ड अवार्ड

मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड ने अपनी झोली में एक और बड़ी राष्ट्रीय उपलब्धि दर्ज कराते हुए अपने रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन के लिए प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2026 जीता है। यह सम्मान राज्य में सस्टेनेबल (सतत), पर्यावरण-अनुकूल और स्थानीय समुदायों को केंद्र में रखकर चलाए जा रहे पर्यटन प्रयासों के लिए दिया गया है। नई दिल्ली में आयोजित 108वें स्कॉच समिट विकसित भारत के दौरान मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड की ओर से रेसिडेंट मैनेजर देवेंद्र राय ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

हिंदी ग्रंथ अकादमी का 56वां स्थापना दिवस समारोह 22 जून को

भोपाल। मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी का 56वां स्थापना दिवस समारोह 22 जून को सायं 4 बजे मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, भोपाल में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के अध्यक्ष श्री इन्दर सिंह परमार होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ेल करेंगे। समारोह में अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन विशिष्ट अतिथि तथा आयुक्त उच्च शिक्षा श्री प्रबल सिपाहा अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर अकादमी द्वारा प्रकाशित प्रगति पथ ब्रोशर तथा द्विमासिक पत्रिका रचना का विमोचन किया जाएगा। यह प्रकाशन अकादमी की शैक्षणिक, साहित्यिक एवं ज्ञान-विस्तार संबंधी गतिविधियों का महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

[अव्यवस्था] मरीज महंगे दामों पर इंजेक्शन खरीदने को मजबूर

राजधानी के सरकारी अस्पतालों में नहीं मिल रहे हीमोफीलिया के इंजेक्शन, मरीजों की बढ़ी परेशानी

भोपाल (नगर संवाददाता)

शहर के सरकारी अस्पतालों में हीमोफीलिया मरीजों के इलाज में इस्तेमाल होने वाला जरूरी इंजेक्शन उपलब्ध नहीं होने से गंभीर स्थिति बन गई है। राजधानी के जेपी जिला अस्पताल और हमीदिया अस्पताल और एम्स जैसे प्रमुख स्वास्थ्य केंद्रों में हीमोफीलिया फैक्टर का स्टॉक खत्म हो गया है।

यह दवा हीमोफीलिया से पीड़ित मरीजों के लिए जीवन रक्षक मानी जाती है। इसकी कमी के कारण मरीजों और उनके परिजनों को इलाज के लिए परेशान होना पड़ रहा है। कई परिवारों को दूसरे अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जबकि कुछ लोग मजबूरी में निजी मेडिकल दुकानों से महंगी कीमत पर इंजेक्शन खरीद रहे हैं। हीमोफीलिया एक ऐसी बीमारी है जिसमें शरीर में खून जमने की प्रक्रिया सामान्य तरीके से काम नहीं करती। इस कारण छोटी चोट लगने पर भी लंबे समय तक रक्तस्त्राव हो सकता है। कई बार बिना किसी बाहरी चोट के शरीर के अंदर भी खून बहने की स्थिति बन सकती है, जो मरीज के लिए खतरनाक साबित हो सकती है।

कई बार अचानक ब्लीडिंग की स्थिति से बढ़ा खतरा

हीमोफीलिया मरीजों को कई बार अचानक ब्लीडिंग की समस्या हो जाती है। ऐसी स्थिति में तुरंत फैक्टर इंजेक्शन देना जरूरी होता है, ताकि खून का बहना नियंत्रित किया जा सके। सरकारी अस्पतालों में दवा नहीं मिलने से मरीजों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। समय पर इलाज न मिलने से उनकी स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने की आशंका बढ़ रही है। खासकर ऐसे मरीज जिनके शरीर में फैक्टर की कमी ज्यादा है, उनके लिए यह स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। मरीजों के परिवारों का कहना है कि वे पहले सरकारी अस्पतालों से निशुल्क या कम लागत में उपचार की उम्मीद करते थे, लेकिन अब उन्हें निजी बाजार का सहारा लेना पड़ रहा है।

निजी बाजार में 8 हजार से 13 हजार तक कीमत

परिजनों के अनुसार निजी मेडिकल स्टोर्स पर एक इंजेक्शन की कीमत हजारों रुपये तक पहुंच रही है। एक डोज के लिए मरीजों को लगभग 8 हजार से 13 हजार रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए इतनी महंगी दवा खरीदना बेहद मुश्किल हो रहा है। कई मरीज नियमित डोज नहीं ले पा रहे हैं, जिससे बीमारी नियंत्रित रखने में परेशानी हो सकती है। मरीजों का कहना है कि सरकारी अस्पतालों में दवा उपलब्ध होने से उन्हें बड़ी राहत मिल सकती है, क्योंकि लंबे समय तक निजी बाजार से इलाज कराना हर किसी के लिए संभव नहीं है।

अस्पताल प्रशासन ने जल्द उपलब्ध कराने का दिया भरोसा

हमीदिया अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. सुमित टंडन ने कहा कि उन्हें अस्पताल में हीमोफीलिया इंजेक्शन के वर्तमान स्टॉक की जानकारी लेकर स्थिति स्पष्ट करनी होगी। वहीं जेपी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन ने बताया कि इंजेक्शन के लिए ऑर्डर भेजा जा चुका है और जल्द ही उपलब्ध कराने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल मरीजों की नजर अस्पतालों में दोबारा स्टॉक आने पर टिकी हुई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार हीमोफीलिया जैसी बीमारी में दवा की उपलब्धता लगातार बनी रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि इसमें देरी मरीजों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है।

गृह मंत्रालय के अधिकारी के घर पांच लाख के जेवरात चोरी

- **महाकाल दर्शन पर गया था परिवार, सीसीटीवी में दिखे चोर**
- **लैपटॉप-आईपैड छोड़े, सिर्फ सोने-चांदी के आभूषण ले गए**

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी के कोलार थाना क्षेत्र स्थित दानिशकुंज में केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी अरुण कुमार राय के सूने मकान को चोरों ने निशाना बना लिया। परिवार के महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन जाने का फायदा उठाते हुए बदमाश सेंटर लॉक तोड़कर घर में दाखिल हुए और करीब 5 लाख के जेवरात चोरी कर फरार हो गए।

खास बात यह रही कि चोरों ने घर में रखे लैपटॉप, आईपैड और अन्य कीमती इलेक्ट्रॉनिक सामान को हाथ तक नहीं लगाया, बल्कि केवल आभूषण लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, दानिशकुंज डीके-1 निवासी अरुण कुमार राय केंद्रीय गृह मंत्रालय में वरिष्ठ पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी पत्नी ममता राय भाजपा की वरिष्ठ नेत्री हैं। गुरुवार को पूरा परिवार महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन गया था। इसी दौरान देर रात करीब 3 से 5 बजे के बीच अज्ञात बदमाशों ने घर का सेंटर लॉक तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। शुक्रवार सुबह घर पहुंची नौकरानी ने दरवाजा खुला और सामान बिखरा देखा, जिसके बाद परिवार को सूचना दी गई। शनिवार को परिवार के लौटने पर कोलार थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

ममता राय ने बताया कि घर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में दो संदिग्ध बाइक सवार दिखाई दिए हैं। हालांकि अंधेरा होने के कारण उनकी पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी। पुलिस फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है। मामले में भाजपा नेत्री के भतीजे विजय कुमार की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

भेल में पानी के शुल्क में वृद्धि का विरोध

भोपाल। भेल के देवी अहिल्या बाई सभागार में नगर सलाहकार समिति की बैठक में भेल यूनियन ने चर्चा किए बिना पानी के शुल्क में की गई वृद्धि पर नाराजगी व्यक्त कर इसका पुरजोर विरोध दर्ज कराया। बैठक में प्रबंधन और प्रतिनिधि यूनियन के सदस्यों के बीच टाउनशिप और कर्मचारी हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में एचएमएस यूनियन की ओर से वरिष्ठ प्रतिनिधि एस सेंथिल कुमार, छोटे लाल कोरी और मनीष टेकरे ने सहभागिता की। इस दौरान एचएमएस यूनियन ने बढ़ाई गई शुल्क राशि को तत्काल वापस लेने तुरंत रोक लगाने की मांग की है। इसके साथ ही क्वार्टर में रह रहे कर्मचारियों को लाइसेंस फीस, पानी शुल्क से राहत देने तथा राज्य सरकार की तर्ज पर 150 यूनिट तक बिजली शुल्क मुक्त रखने का प्रस्ताव कॉर्पोरेट कार्यालय भेजने का आग्रह किया।

करोंद इलाके में युवक की एसिड पीने से मौत

भोपाल। करोंद स्थित रतनपुर कॉलोनी में 24 वर्षीय युवक लखन किरार ने एसिड पी लिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। शनिवार को उसकी मौत हो गई। निशातपुरा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, लखन किरार चौक बाजार स्थित एक गारमेंट्स दुकान में सेल्समैन था। 10 मई को उसकी शादी होने वाली थी।

जैविक खेती कार्यशाला एवं कृषक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्राकृतिक खेती विकसित भारत की आधारशिला : डॉ. मोहन यादव

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्राकृतिक खेती विकसित भारत की आधारशिला है। यह किसानों की आय बढ़ाने, मिट्टी की उर्वरता के संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है।

डॉ यादव शनिवार को राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान, बरखेड़ीकला में प्राकृतिक खेती कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। ये कार्यशाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण एवं विकास के 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित की गई है।

इस अवसर पर विधायक रामेश्वर शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति आदि उपस्थित रहे। सभी जनों ने कोलकाता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जुड़कर उनका प्रेरणादायी उद्बोधन भी सुना।

डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है, जिससे कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और सतत विकास को नई दिशा मिल रही है।

कार्यशाला में वक्ताओं ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे खेती की लागत में कमी आती है, उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ती है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग को लेकर प्रदर्शन

भोपाल। सोनागिरी स्थित कर्मचारी राज्य बीमा ईएसआई अस्पताल में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं से मरीजों को हो रही परेशानियों को लेकर श्रमिकों ने शनिवार को दो घंटे तक जमकर प्रदर्शन कर धरना दिया। इसके बाद भेल के सीटू यूनियन नेता दीपक गप्ता ने अस्पताल प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

गुप्ता ने बताया कि ज्ञापन में अस्पताल में मल्टी-स्पेशियलिटी सुविधाएं प्रारंभ करने, विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्टॉफ की संख्या बढ़ाने, सीटी स्कैन, एमआरआई तथा 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई। प्रदर्शन में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को पूरा करना चाहिए। इस अवसर पर मनीष गौतम, तोरण सिंह मीणा, अशोक यादव, आरिफ खान, टीआर गहलोत, सुशील प्रजापति, ललित सेन, संतराम दुबे, लोकेंद्र शेखावत, शाहिद अली आदि मजदूर शामिल हुए।

मध्य प्रदेश के नगर निकायों की आय बढ़ाने बनाई नई रणनीति

- **अपराधिक गतिविधियों के व्यक्तियों को नहीं मिलेंगे ठेके**
- **पार्किंग और होर्डिंग के राजस्व से भरेगा निगम का खजाना**

भोपाल (नगर संवाददाता)

आर्थिक तंगी से जूझ रहे मध्य प्रदेश के नगरीय निकाय अब अपनी आय बढ़ाने के लिए पार्किंग और विज्ञापन होर्डिंग्स पर फोकस करेंगे। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने निर्देश दिए हैं कि शहरों में अधिक यातायात दबाव वाले स्थानों को चिन्हित कर वहां पार्किंग व्यवस्था विकसित की जाए और इन्हें पारदर्शी टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से संचालित किया जाए।

नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने बताया कि ठेके ऐसे व्यक्तियों को दिए जाएं जो किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधियों से जुड़े न हों। यह बदलाव अपर मुख्य सचिव संजय दुबे की सख्त टिप्पणी के बाद किया गया है, जिन्होंने पिछले माह बैठक में कहा था कि कई जगहों पर पार्किंग ठेकों में विवाद और अव्यवस्था की स्थिति बनती है, जिसमें असामाजिक तत्वों की भूमिका सामने आती है।

सूर्यवंशी ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत भोपाल और इंदौर मॉडल की तर्ज पर पार्किंग को व्यवस्थित किया जाएगा। इसके साथ ही विज्ञापन होर्डिंग्स से होने वाली आय बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है, क्योंकि कई शहर इस क्षेत्र में पिछड़े हुए हैं। विभाग ने राजस्व वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए करीब 29 करोड़ रुपये का बजट भी रखा है, जिसके तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाले निकायों को अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। हालांकि, कई नगर निगम अब भी पार्किंग और होर्डिंग से अपेक्षित आय नहीं जुटा पा रहे हैं।

लोकसेवा आयोग की परीक्षा में बदलाव

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2025 के कार्यक्रम में बड़ा बदलाव किया है। आयोग ने एक दिन पहले जारी किए गए शेड्यूल को संशोधित कर नया टाइम टेबल जारी कर दिया है। अब राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 8 अगस्त से 13 अगस्त 2026 तक आयोजित होगी। परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव का फैसला संघ लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा से तारीखों के टकराव के बाद लिया गया है। शुक्रवार को आयोग ने मुख्य परीक्षा का शेड्यूल जारी किया था, जिसके अनुसार परीक्षा 17 अगस्त से 22 अगस्त तक प्रस्तावित थी।

हालांकि, अभ्यर्थियों ने आपत्ति जताई कि अंतिम दो पेपर पीएससी मुख्य परीक्षा से टकरा रहे हैं। पीएससी की मुख्य परीक्षा 21 अगस्त से शुरू हो रही है, जबकि एमपीपीएससी के दो पेपर 21 और 22 अगस्त को निर्धारित थे। इससे दोनों परीक्षाओं में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ता।

मध्यप्रदेश में 5 लाख नौकरियों के अवसर, 13,500 हेक्टेयर का औद्योगिक लैंड बैंक

बदलेगी तस्वीर : यूआईएमआर के तहत 6 जिलों की 38 तहसीलें और 2,781 गांव होंगे विकसित, किसानों को विकसित जमीन लौटाने वाला देश का पहला लैंड पूलिंग मॉडल

भोपाल (नगर संवाददाता)

उज्जैन-इंदौर महानगरीय क्षेत्र मध्यप्रदेश की औद्योगिक व आर्थिक तस्वीर बदलने की तैयारी में है। मालवा क्षेत्र को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने के लिए 13,500 हेक्टेयर से अधिक का औद्योगिक लैंड बैंक तैयार किया गया है, जहां 14 नए औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। सरकार का अनुमान है कि इस परियोजना से स्थानीय युवाओं के लिए करीब 5 लाख नए रोजगार सृजित होंगे।

यूआईएमआर का दायरा बढ़ाकर अब 16 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक कर दिया है। इसमें इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, रतलाम और शाजापुर जिलों की 38 तहसीलें और 2,781 गांव शामिल होंगे, जहां करीब 1.25 करोड़ आबादी निवास करती है। सरकार का दावा है कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने में मप्र की महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करेगी।

- **16 हजार वर्ग किमी में एक घंटे की कनेक्टिविटी:** यूआईएमआर की सबसे बड़ी विशेषता पूरे क्षेत्र में '60 मिनट कनेक्टिविटी' का लक्ष्य है। इसके लिए इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, इंदौर-भोपाल एक्सप्रेस वे और उज्जैन-इंदौर मेट्रो विस्तार जैसी परियोजनाओं पर काम शुरू हो चुका है। यह क्षेत्र सीधे दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और एक्सप्रेसवे नेटवर्क से जुड़ेगा, जिससे उद्योगों को बंदरगाहों तक तेज परिवहन सुविधा मिलेगी।
- **पर्यावरण संरक्षण के साथ होगा विकास:** सरकार ने यूआईएमआर में ब्लू-ग्रीन डेवलपमेंट पॉलिसी लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत नर्मदा सहित अन्य जल स्रोतों और वन क्षेत्रों के आसपास निर्माण पर नियंत्रण रहेगा। औद्योगिक क्षेत्रों में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज प्रणाली लागू होगी, ताकि नदियों में प्रदूषित पानी न पहुंचे। नए औद्योगिक क्लस्टरों को कार्बन न्यूट्रल बनाने और सौर एवं पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार ने वर्ष 2047 तक पर्यटन क्षेत्र का राज्य की जीडीपी में 10 प्रतिशत योगदान सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए उज्जैन, ओंकारेश्वर, मांडू और महेश्वर को जोड़कर लक्जरी पर्यटन सर्किट विकसित किया जाएगा। रूरल टूरिज्म के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के नए अवसर सृजित किए जाएंगे।

योजना के तहत पीथमपुर को इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) और एडवांस इंजीनियरिंग का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा। उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी को 'एंकर सिटी' के रूप में विकसित किया जाएगा, जबकि रतलाम को लॉजिस्टिक्स और ट्रेड हब बनाकर निर्यात गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा। देवास, धार, मक्सी और शाजापुर भी ग्रोथ नोड के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि इंदौर पर बढ़ते जनसंख्या और संसाधनों के दबाव को कम किया जा सके।

एक नजर में प्रोजेक्ट

- 13,500 हेक्टेयर का औद्योगिक लैंड बैंक।
- 14 नए औद्योगिक पार्क विकसित होंगे।
- करीब 5 लाख नए रोजगार सृजन का अनुमान।
- यूआईएमआर का दायरा बढ़कर 16,000 वर्ग किमी से अधिक।
- 6 जिले, 38 तहसीलें, 2,781 गांव योजना में शामिल किए।
- 17 गांवों के किसानों को 60त्न विकसित भूमि वापस मिलेगी।
- पीथमपुर बनेगा ईवी एवं एडवांस इंजीनियरिंग हब।
- उज्जैन बनेगी एंकर सिटी, रतलाम बनेगा लॉजिस्टिक्स और निर्यात हब।
- पूरे क्षेत्र में 60 मिनट कनेक्टिविटी का लक्ष्य।
- ब्लू-ग्रीन डेवलपमेंट और कार्बन न्यूट्रल औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए जाएंगे।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।